Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-16 16-31 अगस्त, 2022 (पाक्षिक) ₹20

13 अगस्त से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम मनाएं: जगत प्रकाश नड्डा

'हर घर तिरंगा' अभियान

'भारत की एकता, अखंडता और विविधता का प्रतीक है तिरंगा'

भाजपा संयुक्त मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, पटना (बिहार)

राजग प्रत्याशी जगदीप धनखड़ बने भारत के 14वें उपराष्ट्रपति

कारगिल विजय दिवस पर भाजपा मुख्यालय में कार्यक्रम

पटना (बिहार) में 30 जुलाई, 2022 को एक भव्य रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में 02 अगस्त, 2022 को भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 26 जुलाई, 2022 को कारगिल विजय दिवस समारोह में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भुवनेश्वर (ओडिशा) में 08 अगस्त, 2022 को "मोदी @ 20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी" के ओडिशा चैप्टर का विमोचन करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 09 अगस्त, 2022 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने जेम (GeM) पोर्टल पर सहकारिताओं की ऑनबोर्डिंग का शुभारंभ किया

जम्मू में 24 जुलाई, 2022 को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कारगिल विजय दिवस पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और सशस्त्रकर्मियों को श्रद्धांजलि दी

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 'हमारा तिरंगा अतीत में हमारे गौरव, वर्तमान के प्रति कर्तव्यनिष्ठा और भविष्य के सपनों का प्रतिबिंब है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 10 अगस्त को सूरत में आयोजित तिरंगा रैली को संबोधित किया। उन्होंने सभी को 'अमृत महोत्सव' की शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की और कहा कि कुछ ही दिनों...

09 'राजग प्रत्याशी जगदीप धनखड़ बने भारत के 14वें उपराष्ट्रपति

जगदीप धनखड़ 06 अगस्त, 2022 को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुने गए, उन्होंने...

12 भाजपा संगठन को सशक्त करने के लिए अथक प्रयास करें: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 30 जुलाई, 2022 को भाजपा के संयुक्त मोर्चा की दो दिवसीय...

16 'कारगिल में हमारे बहादुर जवानों ने देश के इतिहास में शौर्य गाथा का एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 26 जुलाई, 2022 को पार्टी के...

29 प्रधानमंत्री ने गिफ्ट सिटी में भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज— आईआईबीएक्स का किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 जुलाई को गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय...

वैचारिकी

सरकार की उम्र उसके कार्यों से नापिए / **अटल बिहारी वाजपेयी** 23

श्रद्धांजलि

जननेता भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी 25

अन्य

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु को दी विदाई 11

'गंगा बाबूजी से लाखों कार्यकर्ता प्रेरणा लेकर आगे बढ़े हैं' 14

1,50,173 करोड़ रुपए में बिका 5जी स्पेक्ट्रम 19

जुलाई, 2022 में 1,48,995 करोड़ रुपये पहुंचा सकल जीएसटी राजस्व 20

बीएसएनएल के पुनरुद्धार के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को मिली मंजूरी 21

केंद्र सरकार ने चीनी सीजन 2022-23 में चीनी मिलों द्वारा देय गन्ना उत्पादक किसानों के लिए उचित और लाभकारी मूल्य को दी मंजूरी 22

भारत और मालदीव ने छह समझौतों पर किए हस्ताक्षर 26

कांग्रेस का तथाकथित सत्याग्रह एक परिवार को बचाने का कुत्सित प्रयास: जगत प्रकाश नड्डा 27

भाजयुमो की बाइक रैली में लहराया तिरंगा 28

जी20 भारत को अपने राज्यों की ताकत दिखाने का एक अवसर होगा: नरेन्द्र मोदी 30

संसद के दोनों सदनों से पांच विधेयक हुए पारित 31

केन्द्रीय मंत्रिमंडल के महत्वपूर्ण फैसले 32

मन की बात 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

इस बार के स्वतंत्रता दिवस पर भारत अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे कर रहा है। हम सभी इस अद्भुत और ऐतिहासिक पल के गवाह बनने जा रहे हैं। इसके साथ ही आजादी का अमृत महोत्सव एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है।

जगत प्रकाश नड्डा

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा सरकार देश के हर गांव तक इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचाने हेतु संकल्पित है। आज (27 जुलाई) केन्द्रीय कैबिनेट ने 24,680 गांव में 4G सेवाएं पहुंचाने के लिए परियोजना को मंजूरी दी, जो 'डिजिटल इंडिया' मिशन को और अधिक गति प्रदान करेगा।

अमित शाह

मोदीजी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद विश्व में तिरंगे का मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया है। आज किसी वैश्विक समस्या पर जब तक प्रधानमंत्री मोदीजी का विचार नहीं आता, दुनिया कभी भी समस्या पर अपना विचार तय नहीं करती।

राजनाथ सिंह

सुषमा स्वराजजी भारतीय राजनीति की एक क़द्दावर हस्ती थीं, जो प्रभावी वक्ता होने के साथ-साथ अपने सहज और सौम्य व्यवहार के लिए जानी जाती थीं। देश और दल को आगे ले जाने में उनका बहुत योगदान रहा है। उनकी पुण्यतिथि (6 अगस्त) के अवसर पर मैं उन्हें स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

बी.एल. संतोष

राजग के प्रत्याशी श्री जगदीप धनखड़ ने कुल 725 मतों में से 528 वोट हासिल कर उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत प्राप्त की। यह 74 प्रतिशत है। खेती-किसानी की पृष्ठभूमि वाले एवं प्रतिष्ठित कानूनी विद्वान अब इस पद को सुशोभित करेंगे और इस पद की गरिमा को और बढ़ाएंगे।

नितिन गडकरी

आज (31 जुलाई) के 'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने अनेकविध विषयों पर बात की और अनेक प्रेरक विचार साझा किए। इस वर्ष हम सभी अपनी आज़ादी के 75 वर्ष के ऐतिहासिक पल के गवाह बनने जा रहे हैं और आज़ादी का अमृत महोत्सव एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है। यह बताते हुए प्रधानमंत्रीजी ने सभी क्षेत्रों और समाज के हर वर्ग के लोगों से इससे जुड़ने और अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का आह्वान किया है।

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (18 अगस्त)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

तिरंगा पूरे देश का स्वाभिमान है

जब पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, 'हर घर तिरंगा अभियान' से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के लिए जन-जन की प्रतिबद्धता पुनः सुदृढ़ हो रही है, घर-घर तिरंगा लगाकर राष्ट्रध्वज को अपने हाथों में उठाए करोड़ों लोग जब सड़कों पर आजादी के 75 साल होने पर जश्न मना रहे हैं, हर कोई 'नए भारत' के निर्माण के लिए नए आत्मविश्वास, उत्साह एवं संकल्प से ओत-प्रोत दिख रहा है। यह समय है हमारे पुरखों के बलिदानों को पुनः स्मरण करने का, जिन्होंने भारत वर्ष के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। यह समय है जब पूरा देश अपने नायकों के संघर्षों से पुनः प्रेरित होकर उनके स्वप्नों को साकार करने का संकल्प ले रहा है। यह समय है जब देश सदियों के संघर्षों पर पुनः गौरवान्वित हो भारतवर्ष के तपस्वियों एवं द्रष्टाओं के द्वारा आलोकित नियति को साकार करने को कृतसंकल्पित हो रहा है। यह वह समय भी है जब पीछे मुड़कर अपनी यात्रा का अवलोकन करके विपरीत परिस्थितियों में प्राप्त उपलब्धियों से देश प्रेरणा ले रहा है। इस समय अपनी असफलताओं को भी समझ, उन असफलताओं को सफलताओं में बदलने के दृढ़ संकल्प की गाथा का भी स्मरण जन-जन कर रहा है। यह समय है पुनः संकल्प लेने का, पुनः समर्पित होने का और पुनः उत्सव मनाने का।

आज पूरा राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। विदेशी शासन से मुक्ति के लिए चुकाए गए भारी कीमत को देश कभी नहीं भूल सकता। एक ओर जहां देश को आजादी मिली, दूसरी ओर मुस्लिम लीग की घोर सांप्रदायिक एवं पृथकतावादी राजनीति के कारण देश का विभाजन हुआ। इसका परिणाम अत्यंत पीड़ादायी था तथा लाखों लोगों को विभाजन का मूल्य अपने प्राण गंवाकर चुकाना पड़ा था। करोड़ों लोगों को अपने पूर्वजों के जमीन से उजाड़कर दूरदराज के स्थानों में पलायन करना पड़ा था। विभाजन के दौरान करोड़ों महिला, बच्चे एवं बुजुर्गों को भयानक त्रासदी, हिंसा, पीड़ा एवं मानसिक वेदना से गुजरना पड़ा। यह मानव इतिहास की सबसे बड़ी विभीषिका थी और यह राष्ट्र की सामूहिक स्मृति में एक दुःस्वप्न के रूप में अंकित है। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हर वर्ष 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाने का आह्वान किया था। यह केवल उन लाखों-करोड़ों लोगों के कई पीढ़ियों तक जारी असहनीय पीड़ा, भयंकर वेदना एवं भयावह त्रासदी को स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि विभाजन के दुःखमयी इतिहास से सीख लेने के लिए भी है। देश को हमेशा विभाजन की विभीषिका को याद रखना चाहिए तथा आनेवाली पीढ़ियों को घोर सांप्रदायिक, विभाजनकारी एवं पृथकवादी राजनीति के दुष्परिणामों से अवगत कराना चाहिए।

'आजादी का अमृत महोत्सव' एक ऐसा अवसर है जब सारा देश उत्सव मना रहा है, परंतु यह समय उत्सव मनाने के साथ-साथ देश की आनेवाली यात्रा एवं उसमें सबके दायित्व का भी स्मरण करा रहा है। यह अवसर है जब एक सशक्त, समृद्ध एवं समर्थ राष्ट्र के निर्माण के संकल्प को सुदृढ़ कर 'वसुधैव कुटुंबकम्' एवं 'विश्व-कल्याण' के मंत्र को जन-जन आत्मसात करे। जैसाकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक 'नया भारत' बनाने के लिए 'अमृतकाल' में राष्ट्र के लिए पूरी तरह से समर्पित होने का आह्वान किया है, हर नागरिक के ऊपर देश की पूरी संभावनाओं को साकार करने का दायित्व है। आज जब पूरा राष्ट्र स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों का स्मरण कर रहा है तथा पिछले 75 वर्षों की उपलब्धियों पर गौरवान्वित है, देश को 'अमृतकाल' में उत्कर्ष की ओर ले जाने का दायित्व हर भारतीय पर है। 'हर घर तिरंगा अभियान' निश्चय ही देश भर के उसी उत्साह एवं उमंग की पुनरावृत्ति करेगा, जिससे हमारे स्वतंत्रता आंदोलन ने ऊर्जा प्राप्त की थी। इससे 'अमृतकाल' के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी सफलता मिलेगी। तिरंगा पूरे देश का स्वाभिमान है। यह हर भारतीय को एकजुट होकर 'मां भारती' के चरणों में अर्पित होने के लिए प्रेरित करता है। आइए, हम अपने राष्ट्रध्वज को हर क्षेत्र के शिखर पर फहराएं! ■

> तिरंगा हर भारतीय को एकजुट होकर 'मां भारती' के चरणों में अर्पित होने के लिए प्रेरित करता है

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

'हमारा तिरंगा अतीत में हमारे गौरव, वर्तमान के प्रति कर्तव्यनिष्ठा और भविष्य के सपनों का प्रतिबिंब है'

हमारे सेनानियों ने तिरंगे में देश का भविष्य देखा, देश के सपने देखे और इसे कभी झुकने नहीं दिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 10 अगस्त को सूरत में आयोजित तिरंगा रैली को संबोधित किया। उन्होंने सभी को 'अमृत महोत्सव' की शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की और कहा कि कुछ ही दिनों में भारत अपनी आजादी के 75 साल पूरे कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि हम सभी इस ऐतिहासिक स्वतंत्रता दिवस की तैयारी कर रहे हैं और भारत के कोने-कोने में तिरंगा फहराया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात का हर कोना उत्साह से भरा हुआ है और सूरत ने अपनी गरिमा बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश का ध्यान सूरत पर है। एक तरह से सूरत की तिरंगा यात्रा में मिनी इंडिया देखने को मिल रहा है। इसमें समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ शामिल हैं।

श्री मोदी ने कहा कि सूरत ने तिरंगे की असली एकजुटता की ताकत दिखाई है। उन्होंने कहा कि भले ही सूरत ने अपने व्यापार और अपने उद्योगों के कारण दुनिया पर एक छाप छोड़ी है, लेकिन आज की तिरंगा यात्रा पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र होगी।

> गुजरात ने बापू के रूप में आजादी की लड़ाई को नेतृत्व दिया और गुजरात ने लौह पुरुष सरदार पटेल जैसे नायक दिये, जिन्होंने आजादी के बाद 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की बुनियाद रखी

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सूरत के लोगों की सराहना की, जिन्होंने तिरंगा यात्रा में हमारे स्वतंत्रता संग्राम की भावना को जीवंत किया। उन्होंने कहा कि चाहे कपड़ा बेचने वाला हो, दुकानदार हो, कोई करघे कारीगर हो, कोई सिलाई और कढ़ाई का कारीगर हो अथवा परिवहन से जुड़ा हो, वे सभी इसमें जुड़े हुए हैं।

उन्होंने सूरत के पूरे कपड़ा उद्योग के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इसे एक भव्य आयोजन में बदल दिया। प्रधानमंत्री ने तिरंगा अभियान में इस जनभागीदारी के लिए विशेष रूप से श्री सांवर प्रसाद बुधिया और इस पहल को शुरू करने वाले 'साकेत—सेवा ही लक्ष्य' समूह से जुड़े स्वयंसेवकों को बधाई दी। श्री मोदी ने इस पहल को सशक्त बनाने वाले सांसद श्री सी.आर. पाटिल को भी धन्यवाद दिया।

हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारी आत्मनिर्भरता का एक प्रतीक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज अपने आपमें देश के वस्त्र उद्योग, देश की खादी और हमारी आत्मनिर्भरता का एक प्रतीक रहा है। श्री मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में सूरत ने हमेशा से आत्मनिर्भर भारत के लिए आधार तैयार किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात ने बापू के रूप में आजादी की लड़ाई को नेतृत्व दिया और गुजरात ने लौह पुरुष सरदार पटेल जैसे नायक दिये, जिन्होंने आजादी के बाद 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की बुनियाद रखी। बारडोली आंदोलन और दांडी यात्रा से निकले संदेश ने पूरे देश को एक कर दिया।

श्री मोदी ने कहा कि भारत का तिरंगा केवल तीन रंगों को ही स्वयं में नहीं समेटे है। हमारा तिरंगा हमारे अतीत के गौरव को, हमारे वर्तमान की कर्तव्यनिष्ठा को और भविष्य के सपनों का भी एक प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि हमारा तिरंगा भारत की एकता का, भारत की अखंडता का और भारत की विविधता का भी एक प्रतीक है। हमारे

13 अगस्त से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम मनाएं: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 अगस्त, 2022 को समस्त देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि 13 अगस्त से 15 अगस्त तक अपने-अपने घर की छतों पर या बरामदे के बाहर अथवा फ़्लैट के बाहर तिरंगा फहराएं। हम सब मिलकर राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम को सफल बनाएं और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान भी बढ़ाएं। प्रस्तुत है उनके वक्तव्य का पूरा पाठ :

देश आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर 'अमृत महोत्सव' मना रहा है। हम सब इस वर्ष को एक यादगार वर्ष के रूप में मना रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष देश की आजादी से जुड़े हुए कई कार्यक्रमों की शृंखला रखी है और उस शृंखला में देशभक्ति से सुवासित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारी आन, बान और शान है। यह सिर्फ एक झंडा नहीं है बल्कि यह हमारी आजादी की लड़ाई का प्रतीक है। देश के स्वतंत्रता संग्राम में लाखों लोगों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। लाखों लोगों ने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी है और उनकी इस लड़ाई के कारण ही हम आज स्वतंत्र भारत में खुली सांस ले पा रहे हैं।

आजादी के अमृत काल को हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एक यादगार वर्ष के रूप में मनाना चाहते हैं। इसलिए हम सबने तय किया है कि 13 अगस्त से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम मनाएंगे। अर्थात् तीन दिनों तक हम सब अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराएंगे।

> मुझे पूरा विश्वास है कि आप सब लोग आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष को एक यादगार वर्ष के रूप में मनाएंगे और राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत होते हुए कश्मीर से कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर कामरूप तक हर घर तिरंगा ही तिरंगा दिखेगा

मैं समस्त देशवासियों से आग्रह करता हूं कि प्रधानमंत्रीजी ने सभी देशवासियों से जो अपील की है, उसे ध्यान में रखते हुए हम सभी देशवासी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक अपने-अपने घर की छतों पर या बरामदे के बाहर अथवा फ़्लैट के बाहर तिरंगा फहराएंगे। हम सब मिलकर राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम को सफल बनाएं और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान भी बढ़ाएं। इस कार्यक्रम के लिए करोड़ों के हिसाब से राष्ट्रीय ध्वज की व्यवस्था की गई है।

मैं आप सबसे एक और अपील करता हूं कि आप सब आज से लेकर 15 अगस्त तक अपने-अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल में तिरंगे को 'डीपी प्रोफाइल' (Display Picture) के रूप में उपयोग करें। हम सबके सभी सोशल मीडिया प्रोफाइल में आज से 15 अगस्त तक केवल और केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज दिखना चाहिए, ऐसा आप सबसे मेरा निवेदन है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आप सब लोग आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष को एक यादगार वर्ष के रूप में मनाएंगे और राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत होते हुए कश्मीर से कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर कामरूप तक हर घर तिरंगा ही तिरंगा दिखेगा। यह देश की आजादी के हमारे राष्ट्रनायकों को हमारी ओर से एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ■

भारत की समृद्धि और सुरक्षा के लिए हर नागरिक एकजुट होकर काम कर रहा है: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने दो अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित 'तिरंगा उत्सव' कार्यक्रम में भाग लिया और 'हर घर तिरंगा' थीम गीत को भी लांच किया। 'हर घर तिरंगा' 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत के एक अभियान है। यह लोगों को स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर 'तिरंगा' को घर लाने तथा उसे फहराने के लिए प्रेरित करता है।

इस अवसर पर श्री शाह ने कहा कि ये वर्ष आज़ादी के अमृत महोत्सव का वर्ष है और देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' का कार्यक्रम शुरू किया है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी ने आह्वान किया है कि आज 2 अगस्त से सभी अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर तिरंगा लगायें और 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों पर तिरंगा फहराकर पूरी दुनिया को बताएं कि मोदीजी के नेतृत्व में भारत पुनः महान बनने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'हर घर तिरंगा अभियान' पूरी दुनिया के लिए एक संदेश है कि भारत का हर नागरिक हमारे संविधान निर्माताओं की कल्पना और अपेक्षाओं के अनुसार भारत की समृद्धि, सुरक्षा और संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर काम कर रहा है।

श्री शाह ने देश के युवाओं से कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' आपका अभियान है, यह महान भारत की रचना का एक बार फिर से शुभारम्भ करनेवाला अभियान है। इस अभियान से जुड़कर अपने घर पर तिरंगा फहरायें और उसके साथ सेल्फी लेकर www.harghartiranga.com अपलोड कर भारत को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2014 से लेकर आज 2022 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। दुनिया में कोई भी समस्या हो, लेकिन जब तक भारत के प्रधानमंत्री मोदीजी के विचार सामने नहीं आते, दुनिया किसी भी समस्या पर अपना विचार तय नहीं कर पाती है।

उन्होंने कहा कि यह दिन देखने के लिए ही तो लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया था। एक ऐसे भारत की रचना जो आत्मनिर्भर हो, अपने अतीत पर गौरव करता हो, अपने भविष्य के लिए न केवल आश्वस्त हो, बल्कि भविष्य की रूपरेखा भारत के युवा के दिमाग में स्पष्ट हो, ऐसे नए भारत की रचना मोदीजी के सामने, उनके नेतृत्व में और उनकी कल्पना के अनुसार हो रही है। ■

सेनानियों ने तिरंगे में देश का भविष्य देखा, देश के सपने देखे और इसे कभी झुकने नहीं दिया। श्री मोदी ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद जब हम एक नए भारत की यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं, तिरंगा एक बार फिर भारत की एकता और चेतना का प्रतिनिधित्व कर रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश भर में हो रही तिरंगा यात्राएं 'हर घर तिरंगा' अभियान की शक्ति और निष्ठा का प्रतिबिंब हैं। श्री मोदी ने कहा कि 13 से 15 अगस्त तक भारत के हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। समाज के हर वर्ग, हर जाति और पंथ के लोग अनायास ही एक पहचान के साथ जुड़ रहे हैं। यही भारत के एक कर्तव्यनिष्ठ नागरिक की पहचान है।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि यही भारत माता की संतान की पहचान है। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को समर्थन देने में पुरुषों और महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों के साथ-साथ, हर कोई अपनी भूमिका निभा रहा है।

श्री मोदी ने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान से कई गरीब लोगों, बुनकरों और हथकरघा श्रमिकों को भी अतिरिक्त आय हो रही है। प्रधानमंत्री ने आजादी का अमृत महोत्सव में हमारे संकल्पों को नई ऊर्जा देने वाले आयोजनों के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए अपने संबोधन का समापन किया। श्री मोदी ने कहा कि जनभागीदारी के इन अभियानों से नए भारत की बुनियाद मजबूत होगी। ■

राजग प्रत्याशी जगदीप धनखड़ बने भारत के 14वें उपराष्ट्रपति

भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी श्री जगदीप धनखड़ ने 11 अगस्त, 2022 को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति भवन में श्री धनखड़ को शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु और कई अन्य नेता उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम से पहले श्री धनखड़ ने दिल्ली स्थित राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

श्री जगदीप धनखड़ 06 अगस्त, 2022 को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुने गए, उन्होंने संयुक्त विपक्षी प्रत्याशी श्रीमती मार्गरेट अल्वा को पराजित किया। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल श्री धनखड़ को 528 वोट मिले, जबकि श्रीमती अल्वा को 182 वोट मिले। गौरतलब है कि निर्वाचक मंडल में 788 सदस्य हैं, जिसमें से राज्यसभा के आठ पद खाली हैं। इसलिए वर्तमान संख्या 780 है। तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान नहीं किया।

श्री जगदीप धनखड़ 71 वर्ष के हैं। उन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में श्री एम. वेंकैया नायडु का स्थान लिया, जिनका कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो गया। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के आवास के बाहर जश्न मनाया गया, जहां श्री धनखड़ उपस्थित थे। श्री धनखड़ के गृह जिले झुंझुनू, राजस्थान से भी जश्न मनाते लोगों के दृश्य सामने आए।

पेशे से वकील श्री धनखड़ राजस्थान के निवासी हैं और उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1989 में झुंझुनू से लोकसभा चुनाव लड़कर की, जिसमें वह सांसद चुने गये। वे अप्रैल से नवंबर, 1990 के बीच केंद्र में राज्यमंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने संसदीय कार्य मंत्रालय में अपनी सेवाएं दी। इसके बाद उन्होंने राज्य की राजनीति में कदम रखा और राजस्थान विधानसभा में चुनकर आये। उन्होंने 1993 से 1998 तक किशनगढ़ विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया। उसके बाद जुलाई 2019 में पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त होने तक उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में वकालत की।

परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्री धनखड़ से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। भारत की राष्ट्रपति सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भी श्री धनखड़ को उनकी जीत पर बधाई दी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने अपने संदेश में कहा, "जगदीप धनखड़ को भारत का उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई। सार्वजनिक जीवन में उनके लंबे और समृद्ध अनुभव से राष्ट्र को लाभ होगा। एक

जीवन परिचय

1951: श्री जगदीप धनखड़ का जन्म 18 मई, 1951 को राजस्थान राज्य के झुंझुनू के एक छोटे से गांव किठाना में श्री गोकल चंद और श्रीमती केसरी देवी के यहां हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सैनिक स्कूल, चित्तौड़गढ़ से पूरी की और फिर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से बीएससी और एलएलबी में स्नातक किया।

1979: उनका विवाह श्रीमती सुदेश धनखड़ से हुआ और उनकी एक बेटी हैं।

1989: उन्होंने 9वीं लोकसभा में 1989-91 के दौरान राजस्थान की झुंझुनू लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया।

1991: 1993-98 के दौरान किशनगढ़ से विधायक चुने गए।

2003: 2008 में गठित भाजपा की 'विधानसभा चुनाव अभियान समिति' के सदस्य रहे।

2016: वह भाजपा के विधि मामले विभाग के प्रमुख रहे।

2019: 30 जुलाई, 2019 को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का कार्यभार ग्रहण किया।

2022: भाजपा के नेतृत्ववाले राजग के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में नामित होने के बाद उन्होंने 17 जुलाई, 2022 को राज्यपाल के पद से इस्तीफा दे दिया।

2022: 6 अगस्त, 2022 को श्री धनखड़ 725 वोटों में से 528 वोट हासिल कर, उपराष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए।

समृद्ध और सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।''

निवर्तमान उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु ने कहा, ''श्री धनखड़ के व्यापक अनुभव और कानूनी विशेषज्ञता से राष्ट्र को बहुत लाभ होगा। एक सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।''

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संदेश में कहा, "ऐसे समय में जब भारत 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, तब उपराष्ट्रपति के रूप में एक 'किसान पुत्र' के चयन पर हमें गर्व है, जिनके पास उत्कृष्ट कानूनी ज्ञान और बौद्धिक कौशल है। मुझे विश्वास है कि वह उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे। उन्हें सभी दलों से जबर्दस्त समर्थन मिला है। उनकी बुद्धिमत्ता से हमारे देश को बहुत लाभ होगा।"

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति को बधाई दी। अपने संदेश में श्री नड्डा ने कहा, "श्री जगदीप धनखड़जी को देश के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुने जाने पर बधाई। एक किसान पुत्र का उपराष्ट्रपति बनना देश के लिए गर्व का क्षण है। मुझे विश्वास है कि आपका कार्यकाल देश के गौरव को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।''

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "उनके लंबे सार्वजनिक जीवन, व्यापक अनुभव और लोगों के मुद्दों को लेकर जागरूकता निस्संदेह राष्ट्र को लाभान्वित करेगी। वह एक शानदार उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति होंगे। बधाई!"

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने श्री धनखड़ को बधाई देते हुए कहा कि वह एक बेहतरीन संवैधानिक रक्षक साबित होंगे। "मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि धनखड़जी उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में अपनी भूमिकाओं में संविधान के एक उत्कृष्ट रक्षक साबित होंगे। बधाई मैं राजग के सहयोगियों, अन्य दलों और नेताओं को श्री मोदीजी के नेतृत्व में धनखड़जी को समर्थन देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।" ■

वेंकैयाजी उच्च सदन की प्रगति के लिए याद किए जाएंगे: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आठ अगस्त को राज्यसभा में उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु की विदाई में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति, जो उच्च सदन के पदेन सभापति हैं, को भावभीनी विदाई दी। श्री मोदी ने ऐसे कई क्षणों को याद किया जो श्री नायडु की बुद्धिमता और सूझबूझ से परिपूर्ण थे।

उन्होंने कहा कि आप तो देश के एक ऐसे उपराष्ट्रपति हैं, जिसने अपनी सभी भूमिकाओं में हमेशा युवाओं के लिए काम किया है। आपने सदन में भी हमेशा युवा सांसदों को आगे बढ़ाया, उन्हें प्रोत्साहन दिया। श्री मोदी ने विभिन्न पदों पर श्री एम. वेंकैया नायडु के साथ अपने घनिष्ठ संबंध को रेखांकित किया।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ता के रूप में उपराष्ट्रपति की वैचारिक प्रतिबद्धता, विधायक के रूप में कार्य, सांसद के रूप में गतिविधियों का स्तर, भाजपा के अध्यक्ष के रूप में संगठनात्मक कौशल, मंत्री के रूप में उनकी कड़ी मेहनत और कूटनीति व उपराष्ट्रपति और सदन के अध्यक्ष के रूप में उनके समर्पण व गरिमा की सराहना की।

श्री मोदी ने उपराष्ट्रपति की बुद्धिमत्ता और उनके शब्दों की शक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आपके प्रत्येक शब्द को ध्यान से सुना गया, पसंद किया गया, और उसे गंभीरता से लिया गया...और कभी भी उसका विरोध नहीं किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सदन और सदन के बाहर दोनों जगह, उपराष्ट्रपति के व्यापक अभिव्यक्ति के कौशल ने बहुत प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि श्री एम. वेंकैया नायडु जी की बातों में गहराई होती है, गंभीरता भी होती है। उनकी वाणी में 'विज' भी होता है और 'वेट' भी होता है। 'वार्म्थ' भी होता है और 'विज्डम' भी होता है।

श्री मोदी ने कहा कि उपराष्ट्रपति द्वारा स्थापित प्रणालियों, उनके नेतृत्व ने सदन के कामकाज को नई ऊंचाई दी है। उपराष्ट्रपति के नेतृत्व के वर्षों के दौरान सदन के कामकाज में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई, सदस्यों की उपस्थिति में वृद्धि हुई और रिकॉर्ड 177 बिल पारित किए गए या उन पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने कितने ही ऐसे निर्णय लिए हैं जो उच्च सदन की प्रगति के लिए याद किए जाएंगे।

श्री मोदी ने उपराष्ट्रपति द्वारा सदन के विनम्र, बुद्धिमत्तापूर्ण और दृढ़ संचालन की सराहना की और दृढ़ विश्वास कायम रखने के लिए उनकी प्रशंसा की कि एक समय के बाद सदन में व्यवधान सदन की अवमानना हो जाता है। उन्होंने कहा कि आपके इन मानकों में लोकतंत्र की परिपक्वता को देखता हूं। प्रधानमंत्री ने सदन व देश के लिए उनके मार्गदर्शन और योगदान के लिए उपराष्ट्रपति को धन्यवाद दिया। ■

एम. वेंकैया नायडु के कार्यों पर आधारित 'इंटरेक्टिंग-इनवॉल्विंग-इंस्पायरिंग' नामक पुस्तक का विमोचन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आठ अगस्त को जीएमसी बालयोगी सभागार में उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु के विदाई समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री मोदी ने 2017 से 2022 के दौरान श्री नायडु के कार्यों पर आधारित 'इंटरेक्टिंग-इनवॉल्विंग-इंस्पायरिंग' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने श्री वेंकैया नायडु की हमेशा सक्रिय और व्यस्त रहने के गुण की ओर संकेत करते हुए कहा कि यह एक ऐसा गुण है जो उन्हें हमेशा सार्वजनिक जीवन की गतिविधियों से जोड़े रखेगा। श्री मोदी ने श्री वेंकैया नायडु के साथ अपने लंबे जुड़ाव के बारे में बताया और वाजपेयी सरकार में मंत्री के रूप में श्री नायडु के चयन के समय ग्रामीण विकास के लिए उनकी प्राथमिकता को याद किया।

उन्होंने यह भी बताया कि श्री नायडु ने दोनों विभागों— ग्रामीण विकास के साथ-साथ शहरी विकास की देखरेख की है। प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति के राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति बनने वाले पहले राज्यसभा सदस्य होने के दुर्लभ गौरव मिलने के बारे में भी चर्चा की। श्री

मोदी ने कहा कि उनके इस अनुभव और संसदीय कार्य मंत्री के अनुभव ने उन्हें व्यापक नियंत्रण और सहजता से सदन चलाने में मदद की।

प्रधानमंत्री ने सदन, सदस्यों और समितियों की क्षमताओं को सशक्त बनाने और बढ़ाने के लिए श्री नायडु के प्रयासों की भी सराहना की। श्री मोदी ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि सभी सांसदों से उनकी जो अपेक्षाएं हैं, उन्हें हम हमेशा पूरा करने का प्रयास करें। ■

भाजपा संगठन को सशक्त करने के लिए अथक प्रयास करें: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 30 जुलाई, 2022 को भाजपा के संयुक्त मोर्चा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हेतु दो-दिवसीय प्रवास पर बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

पटना पहुंचते ही श्री नड्डा सबसे पहले देशरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात् उन्होंने जेपी गोलंबर तक भव्य रोड शो किया। रोड शो में श्री नड्डा के साथ बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री संजय जायसवाल, बिहार के उप-मुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री रविशंकर प्रसाद, बिहार सरकार में मंत्री श्री नितिन नवीन, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख डॉ. संजय मयूख एवं पटना से भाजपा सांसद श्री रामकृपाल यादव सहित बिहार भाजपा के सभी बड़े नेता उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 30-31 जुलाई, 2022 को ज्ञान भवन, पटना (बिहार) में आयोजित भाजपा मोर्चा की दो दिवसीय संयुक्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का उद्घाटन किया। अपने वक्तव्य में श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा मोर्चा की संयुक्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और कार्यसमिति के सदस्यों का मार्गदर्शन किया और देश में भाजपा संगठन को सशक्त करने के लिए अथक प्रयास करने को कहा। श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्ववाली केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार करने तथा 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

ग्राम स्वराज की कल्पना को जमीन पर उतारने का काम जनसंघ और भाजपा ने किया

रेंडम वेरियेवल फाउंडेशन के तत्वावधान में ग्राम संसद बिहार चैप्टर-II का उदघाटन किया। इस परिचर्चा कार्यक्रम में बिहार के कई गांवों से आये हुए मुखिया शामिल हुए। इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र में बदलाव और विकास लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु व्यापक चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, बिहार के उप-मुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद, उप-मुख्यमंत्री श्रीमती रेणु देवी, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री नित्यानंद राय, बिहार सरकार में मंत्री श्री मंगल पांडे, सैयद शाहनवाज हुसैन, श्री सम्राट चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री रविशंकर प्रसाद, बिहार सरकार में मंत्री श्री नितिन नवीन एवं ग्राम संसद के सूत्रधार डॉ. संजय मयूख भी उपस्थित थे।

ग्राम संसद को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि ग्राम स्वराज की जो कल्पना पूज्य बापू महात्मा गांधी ने की थी, उस वैचारिक पृष्ठभूमि को सही मायने में जमीन पर उतारने का काम भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी ने किया है। कांग्रेस पार्टी कभी कॉर्पोरेट फार्मिंग की बात करती है तो कभी कलेक्टिव फार्मिंग की लेकिन देश के गांव, गरीब और किसान की अंतरात्मा को पहचानने और उन्हें सशक्त बनाने में कांग्रेस पार्टी असमर्थ रही। आदरणीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीजी ने राष्ट्रवाद की अलख जगाई थी और देश को एक वैकल्पिक विचारधारा दी थी, उसे पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांत से जोड़कर समग्र राष्ट्र के उत्थान का मार्ग बताया। हमारी जितनी भी सरकारें आईं चाहे राज्य में अथवा केंद्र में, सबके शासन के चिंतन में अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का ही भाव रहा। अंत्योदय की कल्पना को भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने ही जमीन पर चरितार्थ किया। श्रद्धेय नानाजी देशमुख

2024 में केंद्र में फिर से भाजपा सरकार बनाएगी: अमित शाह

अपने समापन भाषण में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा चुनाव के लिए हमेशा तैयार रहती है। भाजपा की 2024 के चुनाव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में लोकसभा चुनाव और 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। 2024 में पहले से ज्यादा लोकसभा सीटें जीतकर भारतीय जनता पार्टी फिर से केंद्र में सरकार बनाएगी। श्री शाह ने कहा कि पहली बार बहुत गरीब परिवार से आने वाली आदिवासी महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनीं और यह देश के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। इसके लिए श्री शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक बधाई दी। श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार गांव, गरीब, किसान, दलित, शोषित, आदिवासियों, महिलाओं और पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में केंद्र सरकार में सबसे ज्यादा दलित, आदिवासी, ओबीसी और महिला मंत्री हैं।

ने चित्रकूट में ग्रामोदय का विषय उठाया और उन्होंने 500 गांवों को स्वाबलंबी बनाने की दिशा में काम शुरू किया। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उन्हीं के बताये रास्ते पर चलते हुए विकास की मुख्यधारा से पीछे छूट गए गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, आदिवासी, युवा एवं महिलाओं को विकास की अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए समर्पित भाव से काम कर रहे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' ही श्री नरेन्द्र मोदी सरकार का मूल मंत्र है।

श्री नड्डा ने कहा कि हर ग्राम पंचायत के सुधार के लिए श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने कई कदम उठाये हैं ताकि गांवों का सशक्तीकरण हो, ग्राम विकास में पारदर्शिता आये और महात्मा गांधी का 'ग्राम स्वराज' का सपना साकार हो सके। ग्रामीण विषयों को लेकर हमारी सरकार ने एक सिंगल इंटरफेस बनाया है और इसके माध्यम से देश के सभी पंचायतों की तस्वीर बदलने का काम हमारा ग्रामीण विकास मंत्रालय कर रहा है। अब तक 2,63,000 पंचायत के प्रोफाइल पोर्टल पर अपलोड हो चुके हैं। ग्राम स्वराज अभियान के लिए लगभग 5.90 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गए हैं और इससे सभी निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों को भी जोड़ा गया है।

श्री नड्डा ने कहा कि गांव के लोगों ने कभी नहीं सोचा होगा कि देश के कभी स्वामित्व कार्ड जैसी योजना भी लागू हो सकती है। आज लगभग डेढ़ लाख गांव इस योजना के अंतर्गत आ चुके हैं और लगभग 85 लाख लोगों को अपना प्रॉपर्टी कार्ड मिल चुका है। लगभग 41,236 गांवों में ड्रोन से प्रॉपर्टी की मैपिंग हो चुकी है। लगभग 2.20 लाख प्लॉट अब तक डिजिटल हो चुके हैं। ग्राम स्वराज अभियान योजना में 2022 से 2026 के लिए आवंटित फंड में लगभग 5,911 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। कांग्रेस की सरकारों में गांवों के विकास के लिए केंद्र से जो पैसा भेजा जाता था, उसका 85 प्रतिशत हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था। हमारी सरकार में पूरा पैसा बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभार्थी तक पहुंचता है। हमारी सरकार में पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया गया है। अब तक लगभग 1.77 लाख ग्राम पंचायत फाइबर इंटरनेट से जुड़ गए हैं और अब डिजिटल पेमेंट्स हो रही है। किसी ने भी कल्पना नहीं की थी कि ऑप्टिकल फाइबर गांव में पहुंच भी सकेगा। लगभग पांच लाख कॉमन सर्विस सेंटर अभी गांवों में काम कर रहे हैं। यह है बदलता भारत! ■

'गंगा बाबूजी से लाखों कार्यकर्ता प्रेरणा लेकर आगे बढ़े हैं'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 जुलाई, 2022 को बापू सभागार (गांधी मैदान) पटना में सिक्किम के राज्यपाल श्री गंगा प्रसादजी की जीवनी पर रचित पुस्तक 'स्मृति साक्ष्यः अविरल गंगा' का लोकार्पण किया और इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए श्री गंगा बाबू के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय गंगा बाबूजी की स्मृति पर लिखी पुस्तक 'स्मृति साक्ष्यः अविरल गंगा' आजादी के बाद स्वतंत्र भारत में राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवर्तनों व आपातकाल जैसी घटनाओं को समझने के लिए उनके संस्मरणों व अनुभवों पर आधारित एक प्रामाणिक संदर्भ दस्तावेज है।

उन्होंने कहा कि गंगा बाबूजी हमारे संगठन और सब लोगों के लिए एक जाना-पहचना नाम हैं। हम लोगों का मानना था कि विचारधारा की दृष्टि से कोई समस्या आ जाए तो गंगा बाबूजी से बात कर लो। जब किसी कार्य में कोई रास्ता नहीं निकले तो गंगा बाबूजी से बात कर लो। संगठन में कोई बड़ा काम करना हो तो गंगा बाबूजी से चर्चा कर लो। परिवार के बारे में कोई चर्चा करनी हो तो गंगा बाबूजी से चर्चा कर लो। यानी, हमारी सिर्फ राजनैतिक विचारधारा नहीं बल्कि संपूर्ण विचारधारा के लिए गंगा बाबू का आचरण, उनका कार्य, उनके विचार, उनकी सलाह काफी मायने रखती थी। हमारी विचारधारा का पर्यायवाची नाम था गंगा बाबू। ऐसी महान विभूति से मैंने ही नहीं बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं ने प्रेरणा ली है और अपने जीवन में आगे बढ़े हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि गंगा बाबूजी सरल स्वभाव, सादगी और सरलता के प्रतीक हैं। वे हम सबके श्रद्धा के केंद्र हैं। हम सबने विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी तत्परता के साथ काम करना गंगा बाबूजी से ही सीखा है। यहां इस कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में विभिन्न वर्गों से लोग आये हैं, यह आदरणीय गंगा बाबू के चरित्र एवं व्यक्तित्व को दर्शाता है। यह बहुत कम देखा गया है कि एक समृद्ध परिवार विचारधारा से जुड़ जाए और वह भी ऐसी विचारधारा से जुड़ जाए जिसकी उस समय बहुत प्रतिष्ठा न हो। आज तो बहुत लोग भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ने आ जाएंगे, क्योंकि लोगों को दिखता है कि यह विचारधारा यशस्वी है। लोगों को लगता है कि यही देश की पर्यायवाची विचारधारा है। पर, विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आप को उस विचारधारा से जोड़कर रखना, उस विचारधारा को संभालकर रखना और उस विचारधारा के ध्वज वाहक के रूप में बिना किसी स्वार्थ के काम करने का तरीका सीखना है तो यह आदरणीय गंगा बाबूजी से सीखा जा सकता है।

श्री नड्डा ने कहा कि गंगा बाबू का घर 'आर्यभवन' आपातकाल के खिलाफ चल रहे गतिविधियों का केन्द्र था। आपातकाल के दौरान किसी को अपने घर पर निमंत्रित करना या बैठक करने का मतलब

था अपने-आप को मुसीबत में डालना। ऐसे समय में नेताओं की बैठक करने आदि की सारी व्यवस्था गंगा बाबू के घर पर होती थी। आपातकाल के दौरान बीस-बीस लोगों को महीनों खाना खिलाने का काम गंगा बाबूजी की धर्मपत्नी कमलाजी ने किया है। आदरणीया कमलाजी आपातकाल के दौरान अनाज लाने की व्यवस्था करती थीं एवं अपने हाथों से खाना बनाकर लोगों खिलाती थीं, ताकि बाहर के लोगों को पता नहीं चल सके।

पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को यह पुस्तक जरूर पढ़नी चाहिए। इस पुस्तक को पढ़ने से मालूम चलेगा कि किन-किन लोगों ने पार्टी को खड़ा करने में कितना बड़ा योगदान दिया है।

नवनिर्मित जिला कार्यालयों का उद्घाटन एवं शिलान्यास

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 जुलाई, 2022 को प्रदेश भाजपा कार्यालय, पटना (बिहार) से राज्य के विभिन्न नवनिर्मित जिला कार्यालयों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया और जिला कार्यालयों को पार्टी कार्यकर्ताओं के संस्कार का केंद्र बताया। कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ-साथ

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, उप-मुख्यमंत्री द्वय श्री तारकिशोर प्रसाद एवं श्रीमती रेणु देवी, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राधामोहन सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री रवि शंकर प्रसाद सहित पार्टी के कई सांसद, विधायक, राज्य सरकार में मंत्री और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी की कल्पना थी कि देश के हर जिले में भारतीय जनता पार्टी का अपना कार्यालय होना चाहिए। तब उस समय हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने देश के हर जिले में भाजपा के अपने जिला कार्यालयों के निर्माण का बीड़ा उठाया और प्रधानमंत्रीजी की परिकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए अपने आप को समर्पित कर दिया। अब तक लगभग 230 जिला भाजपा कार्यालयों का निर्माण पूरा हो गया है। अन्य जिला कार्यालयों का निर्माण भी तेज गति से चल रहा है। ये सभी कार्यालय सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। बिहार में भाजपा के 11 जिला कार्यालय पहले ही बन गए हैं। लंबे समय तक बिहार का प्रदेश भाजपा कार्यालय आर्यभवन में था। जनता पार्टी की सरकार बनने पर प्रदेश कार्यालय के लिए वीरचंद पटेल पथ पर यह भवन मिला। हम आज यहां तक पहुंचे हैं तो इसके पीछे हमारी चार-चार पीढ़ियों की त्याग और तपस्या है। हमें बलिदान को भूलना नहीं चाहिए। सभी कार्यालयों में कांफ्रेंस हॉल, लाइब्रेरी, इंटरनेट और वीडियो कांफ्रेंसिंग की भी सुविधा है। भारतीय जनता पार्टी ने हार्डवेयर के रूप में भवन एवं अन्य सुविधाएं तैयार करके दे दी है। अब पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को सॉफ्टवेयर के रूप में नए-नए विचारों को सफलीभूत करने और पार्टी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य करते रहने की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का ऑफिस नहीं, बल्कि कार्यालय होता है क्योंकि यह हमारी विचारधारा का जीता-जागता मंदिर है जो कभी बंद नहीं होता। हमारे लिए कार्यालय का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संस्कारित कर उन्हें देश में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु परिवर्तन का माध्यम बनाना है तथा टीम भावना के साथ लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्हें तैयार करना है। याद रखिए, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता। यहां कार्यकर्ताओं को यह संस्कार दिया जाता है कि एक साथ मिलकर कैसे काम करते हैं और किस तरह संगठन को ऊंचाइयों पर पहुंचा सकते हैं। यहां आने पर हमें जानकारी मिलती है कि विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष करते हुए और आत्मबल को न गिरने देते हुए हमारे मनीषियों ने किस तरह तन-मन-धन अर्पित कर पार्टी को सींचा है और संगठन को खड़ा किया है। इसलिए अनौपचारिक शिक्षा का केन्द्र भी कार्यालय है। दुनिया में और देश में क्या हो रहा है? कौन-कौन सी घटनाएं घट रही हैं? ये घटनाएं किस तरह से घट रही हैं और उनके पीछे क्या-क्या कारण हैं? ये सारी जानकारी प्राप्त करने का और इस पर मंथन करने का केंद्र भाजपा कार्यालय है। हमें अपने कार्यालय का उपयोग पार्टी के लिए उचित रणनीति बनाने और भविष्य के लिए तैयारी हेतु करना चाहिए।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय एक तरह के पॉवर हाउस हैं। हमें इन कार्यालयों को विचारधारा युक्त करोड़ों कार्यकर्ताओं को तैयार करने का उपकरण बनाना है।

पवित्र तख्त श्री हरिमंदिरजी पटना साहिब गुरुद्वाराजी में अरदास

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 जुलाई 2022 को पवित्र तख्त श्री हरिमंदिरजी पटना साहिब गुरुद्वाराजी में अरदास की।

अरदास और दर्शन के पश्चात् श्री नड्डा ने तख्त श्री हरिमंदिरजी पटना साहिब गुरुद्वाराजी के ही कम्युनिटी हॉल में सिख बंधुओं, सैकड़ों स्थानीय लोगों, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पार्टी के बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 91वें संस्करण को सुना। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्रीजी का यह राष्ट्रव्यापी लोकप्रिय कार्यक्रम हर महीने के आखिरी रविवार को होता है जिसमें वे देश के लोगों के साथ संवाद करते हैं और राष्ट्रहित में गैर-राजनीतिक पहलुओं पर चर्चा करते हैं तथा देश को दिशा दिखाने वाले नागरिकों के कृतित्व से देशवासियों को रू-ब-रू कराते हैं। श्री नड्डा 'मन की बात' के हर संस्करण को किसी न किसी बूथ पर, पार्टी के बूथ कार्यकर्ताओं के साथ सुनते हैं और कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री के बताये मार्ग पर चलने को प्रेरित करते हैं।

इस कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ-साथ तख्त श्री हरिमंदिरजी पटना साहिब गुरुद्वाराजी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार अवतार सिंह हित, वरीय उपाध्यक्ष सरदार जगजोत सिंह सोही, जत्थेदार ज्ञानी रंजीत सिंह गौहर ए मस्कीन, पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के महासचिव सरदार इंद्रजीत सिंह और गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के सदस्य सरदार गुरुविंदर सिंह की भी गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री रवि शंकर प्रसाद, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री नंद किशोर यादव, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री श्री ऋतुराज सिन्हा एवं राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख डॉ. संजय मयूख भी उपस्थित थे। ■

'कारगिल में हमारे बहादुर जवानों ने देश के इतिहास में शौर्य गाथा का एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 26 जुलाई, 2022 को पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में भारतीय सेना के शौर्य, साहस, पराक्रम व राष्ट्र के प्रति समर्पण के प्रतीक कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और इस अवसर उपस्थित गणमान्य अतिथियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में सेना के कई अधिकारी (रिटायर्ड), वीर चक्र और गैलेंट्री अवार्ड विजेता जवान (रिटायर्ड) एवं उनके परिजन उपस्थित थे। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कारगिल विजय के अनुभव भी साझा किये। साथ ही, कारगिल विजय के संबंध में एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद श्री अरुण सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मेजर जनरल (रिटायर्ड) श्री एम. श्रीवास्तव ने किया। ज्ञात हो कि भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में हर वर्ष 26 जुलाई को सेना के अभूतपूर्व शौर्य को सलाम करते हुए उनकी शहादत के सम्मान में 'कारगिल विजय दिवस समारोह' आयोजित किया जाता है और जवानों की वीरगाथा का स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी जाती है।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आज का दिन हम सभी देशवासियों के लिए अत्यंत ही गर्व का विषय है। यह देश के वीर जवानों के शौर्य, त्याग और बलिदान का दिवस है। आज के दिन हम अपने आप को समर्पित करते हैं उन वीर जवानों के सम्मान के प्रति जिन्होंने अपना सर्वस्व देश की रक्षा के लिए अर्पित कर दिया। कारगिल में विपरीत परिस्थितियों में हमारे बहादुर जवानों ने देश के इतिहास में शौर्य की अमर गाथा का एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ा है। मैं नम आंखों से सभी शहीद अमर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि देता हूं। वे लड़ते-लड़ते देश के लिए शहीद हो गए, लेकिन दुश्मनों के पांव से भारत माता की भूमि को पददलित नहीं होने दिया।

उन्होंने कहा कि भारत की सेना का हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों मजबूत है। हमारे जवान वीरता और कौशल, दोनों में दुनिया के मुकाबले कहीं आगे हैं। आत्मबल और साहस के मामले में हमारे

> भारत के वीर जवानों जैसा देश के लिए मर मिटने का जज्बा शायद ही दुनिया की किसी और फ़ौज में है

जवानों का कोई सानी नहीं है। भारत के वीर जवानों जैसा देश के लिए मर मिटने का जज्बा शायद ही दुनिया की किसी और फ़ौज में है। इसलिए देश की रक्षा के लिए लड़ी गई हर लड़ाई में सदैव हमारी विजय, विजय और विजय ही होगी। उन्होंने कहा कि कारगिल की विजय गाथा को अमर बनाने वाले हमारे जवान सभी 135 करोड़ देशवासियों के दिल में बसते हैं।

उन्होंने कहा कि हमें यह समझना चाहिए कि निर्णायक नेतृत्व का देश की सुरक्षा पर कितना व्यापक प्रभाव पड़ता है। सही मायनों में 'Pride' और 'Proud' को लीडरशिप से सोल्जर तक जोड़ने का प्रयास यदि किसी ने किया है तो श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। 2014 तक हमारी सेना तकनीक, एम्युनेशन, फाइटर प्लेन और इन्फ्रास्ट्रक्चर के मामले में लगभग 20 वर्ष पीछे चल रही थी, क्योंकि कांग्रेस की यूपीए सरकार के 10 वर्षों में इस दिशा में कुछ भी नहीं किया गया। सेना के

आधुनिकीकरण के लिए कांग्रेस की यूपीए सरकार ने कुछ भी नहीं किया। कांग्रेस की सरकार में एक रक्षा मंत्री तो भारत-चीन सीमा पर इसलिए इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत नहीं बनाना चाहते थे, क्योंकि वे कहते थे कि यदि हमने सीमा पर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप किया तो इससे चीन नाराज हो जाएगा। यूपीए सरकार के रक्षा मंत्री कहते थे कि हम कोई रिस्क नहीं लेना चाहते इसलिए कोई भी रक्षा सौदा नहीं करेंगे। कांग्रेस की सरकार में 'डिफेंस डील्स' का दूसरा नाम 'स्कैंडल एंड स्कैम्स' बन गया था। कांग्रेस की सरकार में हर रक्षा सौदे में स्कैम और स्कैंडल की एक अलग ही कहानी है।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने सेना के तीनों अंगों का आधुनिकीकरण किया है, देश की सीमा सुरक्षा को मजबूत किया है और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में काफी काम हुआ है। आज हमारे पास राफेल का बेड़ा है, मारक अपाचे है, चिनूक है, सर्फेस टू एयर मिसाइल है, होवित्जर है, वज्र आर्टिलरी गन है और बुलेट प्रूफ जैकेट्स का तो हम अब निर्यात करने लगे हैं। मिसाइल ट्रैकिंग सिस्टम का निर्माण हो रहा है। हमारी सरकार में सीमा पर अब तक हजारों मीटर रोड और ऑल वेदर डबल लेन ब्रिज बन चुके हैं। सीमा पर सड़क, स्ट्रेटजिक ब्रिज और कम्युनिकेशन इन्फ्रा पर तेज गति से काम हो रहा है। सीमावर्ती राज्यों में रेल लाइन और रोपवे का भी विस्तार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि निर्णायक नेतृत्व का क्या असर होता है, इसका एक और उदाहरण मैं आपके सामने रखता हूं। मेरे कई रिश्तेदार आर्मी में हैं। मुझे पता है और आप भी भलीभांति जानते हैं कि पहले बॉर्डर पर दुश्मनों के हमले के बावजूद एक गोली चलाने हेतु परमिशन के लिए भी कितना इंतजार करना पड़ता था। जब दिल्ली तक बात पहुंचती भी थी तो केंद्र सरकार की ओर से 'Wait and Watch' की सलाह दी जाती थी। आप समझ सकते हैं कि उस वक्त बॉर्डर पर देश की सीमा पर खड़े जवानों की क्या मनोदशा होती होगी, जब उन्हें कुछ न करने के लिए बोला जाता होगा। आज जब केंद्र में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, तब सेना को खुली छूट है स्थिति का आकलन कर निर्णय लेने के लिए। अब उन्हें दिल्ली से परमिशन की कोई जरूरत नहीं है। आज सेना पहले कार्रवाई करती है और दिल्ली को कार्रवाई की रिपोर्ट देती है। यह होता है नेतृत्व के बदलने का असर।

श्री नड्डा ने एक और ऐतिहासिक घटना को उद्धृत करते हुए निर्णायक नेतृत्व के प्रभाव को उल्लेखित किया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ युद्ध विराम की भीख मांगने अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के पास गए थे, तो बिल क्लिंटन ने वार्ता के लिए हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी को बुलाया था लेकिन तब हमारे प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी ने अमेरिका जाने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा था कि हमारे जवान मोर्चे पर लड़ रहे हैं। जब तक हमारी सीमा दुश्मनों के चंगुल से मुक्त नहीं हो जाती, मैं देश छोड़कर नहीं जा सकता। यह होती है निर्णायक नेतृत्व की विशेषता। जब केंद्र में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई तो आतंकी गतिविधियों पर सख्त रुख अपनाया गया।

उन्होंने कहा कि उरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के ठीक बाद केरल में भाजपा की राष्ट्रीय परिषद् की बैठक थी। इस बैठक के दौरान कालीकट में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि भारत दुश्मन की इस गलती पर चुप नहीं बैठेगा। कुछ ही दिन में सर्जिकल स्ट्राइक किया गया और पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दिया गया। विपक्ष ने तब सेना के शौर्य पर सवाल उठाये थे। उनसे उनकी वीरता का सर्टिफिकेट मांगा था, लेकिन देश की जनता को पता था कि इतिहास रचा जा चुका है। पुलवामा में जब फिर से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने कायराना हरकत की तो हमारे प्रधानमंत्री जी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि तुमने बहुत बड़ी गलती कर दी है, इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कुछ ही दिनों में हमारे जवानों ने सर्जिकल स्ट्राइक किया और आतंकवादियों के हौसले पस्त कर दिए, लेकिन विपक्ष ने एक बार फिर हमारे जवानों की वीरता पर सवाल उठाये।

> मैं अपनी सरकार की ओर से देश के हर जवान को आश्वस्त करते हुए कहना चाहता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सदैव आपके साथ चट्टान की तरह खड़े हैं

नेशनल वॉर मेमोरियल का जिक्र करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 1960 में नेशनल वॉर मेमोरियल का कांसेप्ट आया था। कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 2006 में इस पर एक कमिटी बनाई थी, लेकिन 8 साल तक कांग्रेस की यूपीए सरकार इसकी डिजाइन तक नहीं बना पाई। 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी जब देश के प्रधानमंत्री बने तो इस पर तेज गति से काम शुरू हुआ। डिजाइन बना, बजट में इसके लिए प्रावधान किया गया और 2019 में यह बनकर तैयार हो गया। यह होता है कमिटमेंट।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के हर एक कार्यकर्ता के लिए सदैव 'राष्ट्र प्रथम' होता है। मैं अपनी सरकार की ओर से देश के हर जवान को आश्वस्त करते हुए कहना चाहता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सदैव आपके साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। वे अपनी हर दिवाली सीमा पर देश के जवानों के साथ मनाते हैं। हम जानते हैं कि हम सभी भारतवासी ख़ुशी से अपने अपने घरों में दिवाली इसलिए मना पाते हैं क्योंकि हमारे जवान हर दिन चौबीसों घंटे देश की सीमा की सुरक्षा में लगे रहते हैं। मैं अपनी ओर से और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से एक बार पुनः कारगिल के सभी योद्धाओं को नमन करता हूं और अपना सर्वोच्च बलिदान करने वाले अमर सेनानियों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ■

संगठनात्मक नियुक्तियां

सुनील बंसल बने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 अगस्त, 2022 को भाजपा, उत्तर प्रदेश के महामंत्री (संगठन) श्री सुनील बंसल को पार्टी का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया। इसके साथ ही, उन्हें पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और ओडिशा जैसे तीन महत्वपूर्ण प्रदेशों के प्रभारी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। पूर्व में श्री बंसल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री का दायित्व संभाल चुके हैं। ■

अरुण साव भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 09 अगस्त, 2022 को बिलासपुर से सांसद श्री अरुण साव को भाजपा, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। पेशे से वकील श्री साव ने 1990 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से 2019 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। ■

महेंद्र भट्ट बने उत्तराखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 30 जुलाई, 2022 को श्री महेंद्र भट्ट को भाजपा, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। श्री भट्ट 1991 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से जुड़े। वे 2002 से 2007 तक नंदप्रयाग सीट से विधायक थे और 2017 के विधानसभा चुनाव में बद्रीनाथ सीट से जीते। उन्हें युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। श्री महेंद्र भट्ट 2015 से 2020 तक प्रदेश भाजपा मंत्री भी रहे। ■

भाजपा उत्तर प्रदेश और झारखंड प्रदेश के नए महामंत्री (संगठन) नियुक्त

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 अगस्त, 2022 को भाजपा, झारखंड प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल को उत्तर प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। पूर्व में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के क्षेत्रीय संगठन मंत्री का दायित्व संभाल चुके हैं। इसी प्रकार, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश सह संगठन मंत्री श्री कर्मवीर को झारखंड प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। ■

1,50,173 करोड़ रुपए में बिका 5जी स्पेक्ट्रम

गत दो अगस्त को केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारत सरकार ने नीलामी के लिए 72,098 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम रखा था, जिसमें से 51,236 मेगाहर्ट्ज (कुल का 71 प्रतिशत) 1,50,173 करोड़ रुपये की बोली के साथ बेचा गया।

वार्षिक किश्तों की गणना में ब्याज दर 7.2 प्रतिशत है और कुछ प्रतिभागी अधिक अग्रिम भुगतान भी कर सकते हैं।

पहली बार 600 मेगाहर्ट्ज बैंड नीलामी के लिए रखा गया था। इस बैंड के लिए कोई बोली प्राप्त नहीं हुई थी। मोबाइल टेलीफोनी के लिए 600 मेगाहर्ट्ज बैंड का उपकरण इकोसिस्टम अभी तक विकसित नहीं हुआ है। कुछ वर्षों में यह बैंड महत्वपूर्ण हो सकता है।

700 मेगाहर्ट्ज में 5जी इकोसिस्टम अच्छी तरह से विकसित है। इसका एक बड़ा सेल आकार है और बुनियादी ढांचे की आवश्यकता कम है। यह बैंड एक बड़ी रेंज और अच्छी कवरेज उपलब्ध करता है। मैसर्स रिलायंस जियो ने अखिल भारतीय 10 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम प्राप्त किया है।

800 से 2,500 के बीच के बैंड के लिए प्रतिभागियों ने मुख्य रूप से क्षमता बढ़ाने और 4जी कवरेज में सुधार के लिए स्पेक्ट्रम हेतु बोली लगाई है।

मिड बैंड यानी 3300 मेगाहर्ट्ज बैंड अच्छी प्रवाह क्षमता (थ्रूपुट) प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। तीनों मौजूदा ऑपरेटरों ने इस बैंड में स्पेक्ट्रम प्राप्त कर लिया है। ऑपरेटरों द्वारा मौजूदा 4जी क्षमता को बढ़ाने और 3300 मेगाहर्ट्ज बैंड में 5जी सेवाएं उपलब्ध कराने की संभावना है।

एमएम वेव बैंड यानी 26 गीगाहर्ट्ज में उच्च प्रवाह क्षमता है, लेकिन इसकी रेंज बहुत कम है। इस बैंड के कैप्टिव या गैर-सार्वजनिक नेटवर्क के लिए उपयोग किए जाने की संभावना है। इस बैंड में पूरे विश्व में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) लोकप्रिय हो रहा है। एफडब्ल्यूए को उच्च घनत्व/भीड़ वाले शहरी क्षेत्रों में फाइबर के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। सभी चार प्रतिभागियों ने इस बैंड में स्पेक्ट्रम प्राप्त किया है।

मैसर्स मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एमएसटीसी), भारत सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम नीलामकर्ता है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए सुधारों और स्पष्ट नीति निर्देश के परिणामस्वरूप सफल स्पेक्ट्रम नीलामी हुई। इससे यह भी पता चलता है कि दूरसंचार क्षेत्र विकास की राह पर अग्रसर है। ■

इंदौर में 2300 करोड़ रुपये की छह राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने एक अगस्त को इंदौर (मध्य प्रदेश) में 2300 करोड़ रुपये लागत की 119 किलोमीटर लंबाई की 6 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस अवसर पर श्री गडकरी ने आज शुरू की जा रही परियोजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इंदौर और राज्य में बेहतर कनेक्टिविटी से प्रगति की राह आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि राऊ सर्कल पर जाम की समस्या समाप्त हो जाएगी और यातायात सरल हो जाएगा। इंदौर के साथ सहज कनेक्टिविटी होने से कारीगरों, छात्रों और व्यापारियों को बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इंदौर-हरदा खंड के गांवों को इंदौर से बेहतर तरीके से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि धार-पीथमपुर औद्योगिक कॉरिडोर बनने से रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

श्री गडकरी ने यह भी कहा कि तेजाजी नगर (इंदौर)-बुरहानपुर और इंदौर-हरदा तक की यात्रा में लगने वाले समय में कमी आएगी, जिससे ईंधन की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर और खंडवा जाने वाले यात्रियों के लिए मार्ग आसान होगा। श्री गडकरी ने कहा कि कृषि बाजारों से बेहतर संपर्क होने से कृषि उत्पादों को बड़े बाजार तक ले जाना आसान हो जाएगा।

साथ ही, इस कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश में 14 चयन किए गए स्थानों पर रोप-वे के निर्माण के लिए राज्य सरकार और एनएचएआई के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ■

जुलाई, 2022 में 1,48,995 करोड़ रुपये पहुंचा सकल जीएसटी राजस्व

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक अगस्त को जारी विज्ञप्ति के अनुसार जुलाई, 2022 में सकल जीएसटी राजस्व संकलन 1,48,995 करोड़ रुपये रहा, जिसमें जीएसटी 25,751 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 32,807 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 79,518 करोड़ रुपये है (इसमें आयातित माल पर 41,420 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 10,920 करोड़ रुपये (आयातित माल पर 995 करोड़ रुपये सहित) है। यह जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का दूसरा सर्वाधिक राजस्व है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी में 32,365 करोड़ रुपये और एसजीएसटी में 26,774 करोड़ रुपये समायोजित कर दिये हैं। जुलाई, 2022 के मद्देनजर नियमित समायोजन के बाद केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के मद में 58,116 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के मद में 59,581 करोड़ रुपये है।

पिछले वर्ष इसी माह के 1,16,393 करोड़ रुपये के प्राप्त जीएसटी राजस्व की तुलना में इस बार का राजस्व 28 प्रतिशत अधिक है।

> जुलाई के लिये जीएसटी राजस्व संकलन अब तक का दूसरा सर्वाधिक और पिछले वर्ष इसी माह के दौरान संकलित राजस्व से 28 प्रतिशत अधिक

अब लगातार पांच महीनों से मासिक जीएसटी राजस्व 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक दर्ज किया गया। इस तरह हर महीने उसमें सतत बढ़ोतरी होती रही। पिछले वर्ष

के इसी समय की तुलना में जुलाई, 2022 तक जीएसटी राजस्व की बढ़ोतरी 35 प्रतिशत अधिक रही, जिससे पता चलता है कि उसमें तेजी कायम थी। इससे साफ पता चलता है कि परिषद् ने पूर्व में बेहतर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के जो विभिन्न उपाय किये थे, यह उसी का परिणाम है।

बेहतर तौर-तरीके के साथ आर्थिक बहाली का भी जीएसटी राजस्वों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। जून, 2022 के दौरान 7.45 करोड़ ई-वे बिल बनाये गये, जो मई, 2022 की तुलना में थोड़ा सा अधिक है। ■

देश में अब तक 75 हजार से अधिक स्टार्ट-अप्स

हाल ही में भारत ने एक अहम पड़ाव हासिल किया। देश में अब तक 75 हजार से अधिक स्टार्ट-अप्स को मान्य किया गया है। उल्लेखनीय है कि उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 75 हजार से अधिक स्टार्ट-अप्स को मान्यता प्रदान की है, जो आजादी के 75 वर्ष होने के क्रम में मील का पत्थर है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा तीन अगस्त को जारी एक बयान के अनुसार जहां 10 हजार स्टार्ट-अप्स को 808 दिनों में मान्यता मिली, वहीं अब 10 हजार स्टार्ट-अप्स की मान्यता 156 दिनों में ही कर दी गई। इस हिसाब से प्रतिदिन 80 से अधिक स्टार्ट-अप्स को मान्यता दी जा रही है– यह दर विश्व में सर्वाधिक है। इससे पता चलता है कि स्टार्ट-अप संस्कृति का भविष्य संभावनाओं से भरपूर और उत्साहवर्धक है।

कुल मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप्स में से लगभग 12 प्रतिशत आईटी सेवाओं की, नौ प्रतिशत स्वास्थ्य-सुविधा और जीव विज्ञान की, सात प्रतिशत शिक्षा की, पांच प्रतिशत व्यावसायिक और वाणिज्यिक सेवाओं की और पांच प्रतिशत कृषि की जरूरतों से सम्बंधित हैं। भारतीय स्टार्ट-अप इको-सिस्टम ने 7.46 लाख रोजगार पैदा किये हैं और इसमें गत 6 वर्षों में सालाना 110 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वास्तव में कुल स्टार्ट-अप्स में से 49 प्रतिशत टीयर-2 और टीयर-3 शहरों से हैं, जो देश के युवाओं की जबरदस्त क्षमता का परिचायक है।

> कुल मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप्स में से लगभग 12 प्रतिशत आईटी सेवाओं की, नौ प्रतिशत स्वास्थ्य-सुविधा और जीव विज्ञान की, सात प्रतिशत शिक्षा की, पांच प्रतिशत व्यावसायिक और वाणिज्यिक सेवाओं की और पांच प्रतिशत कृषि की जरूरतों से सम्बंधित हैं

गौरतलब है कि 15 अगस्त, 2015 को लाल किले से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस वक्तव्य के दौरान एक नये भारत की परिकल्पना की थी, जो देशवासियों की उद्यमशील क्षमता को उजागर करेगा। इसके अगले वर्ष 16 जनवरी को, जिसे अब राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस के रूप में घोषित कर दिया गया है, उस दिन देश में स्टार्ट-अप और नवाचार को पोषित करने के लिये एक मजबूत इको-सिस्टम बनाने की कार्य-योजना शुरू की गई। ■

बीएसएनएल के पुनरुद्धार के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को मिली मंजूरी

बीएसएनएल को वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 27 जुलाई को 1.64 लाख करोड़ रुपये के बीएसएनएल के रिवाइवल पैकेज को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित पुनरुद्धार उपायों के माध्यम से भारत ब्रॉडबैंड निगम लिमिटेड (बीबीएनएल) का बीएसएनएल में विलय करके बीएसएनएल सेवाओं के उन्नयन, स्पेक्ट्रम आवंटन, इसकी बैलेंस शीट को डी-स्ट्रेस करना और इसके फाइबर नेटवर्क को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। दरअसल, दूरसंचार एक सामरिक क्षेत्र है। दूरसंचार बाजार में बीएसएनएल बाजार संतुलक का कार्य करता हैं। बीएसएनएल ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं के विस्तार, स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और आपदा राहत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बीएसएनएल सेवाओं का उन्नयन

1. **स्पेक्ट्रम का प्रशासनिक आवंटन:** मौजूदा सेवाओं में सुधार और 4जी सेवाएं प्रदान करने के लिए बीएसएनएल को इक्विटी निवेश द्वारा 44,993 करोड़ रुपये की लागत से 900/1800 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम का प्रशासनिक आवंटन किया जाएगा। इस स्पेक्ट्रम के द्वारा बीएसएनएल बाजार में प्रतिस्पर्धा करने और ग्रामीण क्षेत्रों सहित अपने विशाल नेटवर्क का उपयोग करके हाई स्पीड डेटा प्रदान करने में सक्षम होगा।
2. **कैपेक्स के लिए वित्तीय सहायता:** स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए बीएसएनएल आत्मनिर्भर 4जी प्रौद्योगिकी स्टैक लगाने की दिशा में अग्रसर है। अगले 4 वर्षों के लिए अनुमानित पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए सरकार 22,471 करोड़ रुपये का कैपेक्स फंड देगी। आत्मनिर्भर 4जी स्टैक को विकसित करने तथा लगाने से महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिलेगा।
3. **ग्रामीण वायरलाइन संचालन के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण:** वाणिज्यिक अव्यवहार्यता के बावजूद बीएसएनएल सरकार के सामाजिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए ग्रामीण/दूरस्थ क्षेत्रों में वायरलाइन सेवाएं प्रदान कर रहा है। सरकार 2014-15 से 2019-20 के दौरान किए गए व्यावसायिक रूप से अव्यवहार्य ग्रामीण वायरलाइन संचालन के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में बीएसएनएल को 13,789 करोड़ रुपये प्रदान करेगी।
4. **अधिकृत पूंजी में वृद्धि:** एजीआर बकाया के निपटान, कैपेक्स के प्रावधान और स्पेक्ट्रम के आवंटन के बदले बीएसएनएल की अधिकृत पूंजी को 40,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,50,000 करोड़ रुपये किया जाएगा।

> इस पैकेज से बीएसएनएल मौजूदा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने, 4जी सेवाओं को शुरू करने और वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनने में सक्षम होगा

बीएसएनएल की बैलेंस शीट को डी-स्ट्रेस करना

5. **ऋण पुनर्गठन:** सरकार इन पीएसयू को दीर्घकालिक ऋण लेने के लिए सॉवरेन गारंटी देगी जो 40,399 करोड़ रुपये की राशि के लिए दीर्घकालिक बॉन्ड लेने में सहायक होंगे। इससे मौजूदा ऋण के पुनर्गठन और बैलेंस शीट को डी-स्ट्रेस करने में मदद मिलेगी।
6. **एजीआर बकाया के लिए वित्तीय सहायता:** बैलेंस शीट को और बेहतर बनाने के लिए बीएसएनएल की 33,404 करोड़ रुपये की एजीआर बकाया राशि को इक्विटी में परिवर्तित करके चुकाया जाएगा। एजीआर/जीएसटी बकाया के निपटारे के लिए सरकार बीएसएनएल को धन उपलब्ध कराएगी।
7. **प्रेफरेंस शेयरों को पुनः** जारी करनाः बीएसएनएल सरकार को 7,500 करोड़ रुपये के प्रेफरेंस शेयर पुनः जारी करेगा।

बीएसएनएल फाइबर नेटवर्क का संवर्धन

8. **बीबीएनएल और बीएसएनएल का विलय:** भारतनेट के तहत निर्मित बुनियादी ढांचे के व्यापक उपयोग के लिए भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (बीबीएनएल) का बीएसएनएल में विलय किया जाएगा। भारतनेट के तहत सृजित बुनियादी ढांचा राष्ट्रीय संपत्ति बना रहेगा, जो सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए बिना भेदभाव के आधार पर उपलब्ध होगा।

इन उपायों के द्वारा बीएसएनएल मौजूदा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने, 4जी सेवाओं को शुरू करने और वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनने में सक्षम होगा। यह उम्मीद की जाती है कि इस रिवाइवल योजना के लागू होने के साथ बीएसएनएल वित्त वर्ष 2026-27 में लाभ अर्जन करके टर्न अराउंड होगा। ■

स्वदेशी रूप से विकसित लेजर-गाइडेड टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल का सफल परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय सेना ने स्वदेश में ही विकसित की गई लेजर-गाइडेड टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल-एटीजीएम का 4 अगस्त को सफलतापूर्वक परीक्षण किया। विस्फोटक से बचने में सक्षम (ईआरए) सुरक्षित बख्तरबंद वाहनों से निपटने के लिए पूर्ण रूप से स्वदेश में निर्मित लेजर गाइडेड एटीजीएम मिसाइल काफी उपयोगी है। लक्ष्य को भेदने के लिए इसे उच्च विस्फोटक क्षमता वाले टैंक रोधी (हीट) मुखास्त्र से इस्तेमाल किया जाता है।

एटीजीएम मिसाइल को कई सारे प्लेटफॉर्म से लॉन्च किये जाने की क्षमता के साथ विकसित किया गया है और वर्तमान में मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन की 120 मिमी राइफल्ड गन से इसका तकनीकी मूल्यांकन परीक्षण किया जा रहा है। ■

केंद्र सरकार ने चीनी सीजन 2022-23 में चीनी मिलों द्वारा देय गन्ना उत्पादक किसानों के लिए उचित और लाभकारी मूल्य को दी मंजूरी

गन्ना उत्पादक किसानों के लिए अब तक का अधिकतम 305 रुपये/क्विंटल का उचित और लाभकारी मूल्य स्वीकृत किया गया। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार ने पिछले 8 वर्षों में उचित और लाभकारी मूल्य में 34 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने तीन अगस्त को गन्ना उत्पादक किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए चीनी सीजन 2022-23 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए 10.25 प्रतिशत की मूल रिकवरी दर के लिए गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 305 रुपये प्रति क्विंटल को मंजूरी दे दी।

चीनी सीजन 2022-23 के लिए गन्ने के उत्पादन की A2 + FL लागत (यानी वास्तविक भुगतान की गई लागत के साथ पारिवारिक श्रम का मूल्य) 162 रुपये प्रति क्विंटल है। 10.25 प्रतिशत की भरपाई दर पर 305 रुपये प्रति क्विंटल का यह एफआरपी उत्पादन लागत से 88.3 प्रतिशत अधिक है। यह किसानों को उनकी लागत पर 50 प्रतिशत से अधिक का लाभ प्रदान करने का वादा सुनिश्चित करता है। चीनी सीजन 2022-23 के लिए एफआरपी मौजूदा चीनी सीजन 2021-22 की तुलना में 2.6 प्रतिशत अधिक है।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध

उपर्युक्त निर्णय से 5 करोड़ गन्ना उत्पादक किसानों और उनके आश्रितों के साथ-साथ चीनी मिलों और संबंधित सहायक गतिविधियों में कार्यरत 5 लाख श्रमिकों को लाभ होगा। 9 साल पहले 2013-14 चीनी सीजन में एफआरपी सिर्फ 210 रुपये प्रति क्विंटल था और सिर्फ 2397 एलएमटी गन्ना चीनी मिलों द्वारा खरीदा गया था। किसानों को केवल गन्ने की बिक्री से चीनी मिलों से सिर्फ 51,000 करोड़ मिलते थे। जबकि वर्तमान चीनी सीज़न 2021-22 में चीनी मिलों द्वारा लगभग 3,530 लाख टन गन्ना खरीदा गया, जिसकी कीमत 1,15,196 करोड़ रुपये है, जो अब तक सबसे अधिक है।

केंद्र सरकार की सक्रिय नीतियों के कारण गन्ने की खेती और चीनी उद्योग पिछले 8 वर्षों में एक लंबा सफर तय कर चुके हैं और अब आत्मनिर्भरता के स्तर पर पहुंच गए हैं। यह समय पर सरकारी हस्तक्षेप और चीनी उद्योग, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ किसानों के साथ सहयोग का परिणाम है। हाल के वर्षों में चीनी क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए गए मुख्य उपाय निम्न हैं:

- गन्ने के एफआरपी को गन्ने के उत्पादकों के लिए एक गारंटीकृत मूल्य सुनिश्चित करने के लिए तय किया गया है।
- केंद्र सरकार ने पिछले 8 वर्षों में एफआरपी में 34 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है।

- सरकार ने चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) की संकल्पना को भी प्रस्तुत किया है ताकि चीनी की पूर्व-मिल कीमतों में गिरावट और गन्ना बकाया के संचय को रोकने के लिए (एमएसपी शुरुआत में 29 रुपये प्रति किलोग्राम 7 जून, 2018 से प्रभावी रूप से लागू करने के लिए तय किया गया; संशोधित 31 रुपये प्रति किलोग्राम 14 फरवरी 2019 से प्रभावी।
- चीनी मिलों के निर्यात की सुविधा के लिए, बफर स्टॉक को बनाए रखने के लिए, इथेनॉल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए और किसानों के बकाया भुगतान के लिए चीनी मिलों को 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता।
- अधिशेष चीनी को इथेनॉल के उत्पादन में बदलकर चीनी मिलों की वित्तीय स्थितियों में सुधार किया। नतीजतन, वे गन्ने के बकायों का जल्दी से भुगतान करने में सक्षम हैं।

चीनी के निर्यात और इथेनॉल के लिए डायवर्जन के कारण चीनी क्षेत्र आत्मनिर्भर हो गया है और मिलों की तरलता में सुधार हेतु निर्यात व बफर के लिए बजटीय समर्थन करने की आवश्यकता नहीं है।

इसके अलावा, पिछले कुछ शुगर सीजनों के दौरान चीनी क्षेत्र के लिए किए गए विभिन्न अन्य उपायों के कारण, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ गन्ने की उच्च उपज देने वाली किस्मों के उपयोग की शुरुआत, ड्रिप सिंचाई प्रणाली को अपनाना, चीनी संयंत्र का आधुनिकीकरण और अन्य अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां, गन्ने की खेती का क्षेत्र, गन्ने का उत्पादन, गन्ने की तराई, चीनी उत्पादन और इसका रिकवरी प्रतिशत व किसानों को भुगतान में काफी वृद्धि शामिल है। ■

सरकार की उम्र उसके कार्यों से नापिए

अटल बिहारी वाजपेयी

4 जुलाई, 1998 को नई दिल्ली में आयोजित स्वागत समारोह के अवसर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिए गए भाषण का संपादित पाठ:

आपके अभिनंदन के लिए मैं आभारी हूं। थोड़ा देर में हो रहा है, मगर दोष संयोजकों का नहीं है, मेरा है। सचमुच में अभिनंदन तो एक निमित्त है, एक बहाना है। पोद्दारजी और उनके मित्रों ने तय किया कि प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए धन का संग्रह करेंगे तो मैंने कार्यक्रम को मान लिया; उसके साथ अभिनंदन भी जुड़ गया। गुप्ताजी ने भगवान् राम का नामोल्लेख किया, भीलनी की याद दिलाई, मुझे तो ऐसा लग रहा है कि सुदामा द्वारकाधीश के यहां आया है और यह द्वारकाधीश की इच्छा पर है कि सुदामा की आकांक्षा कहां तक पूरी होती है।

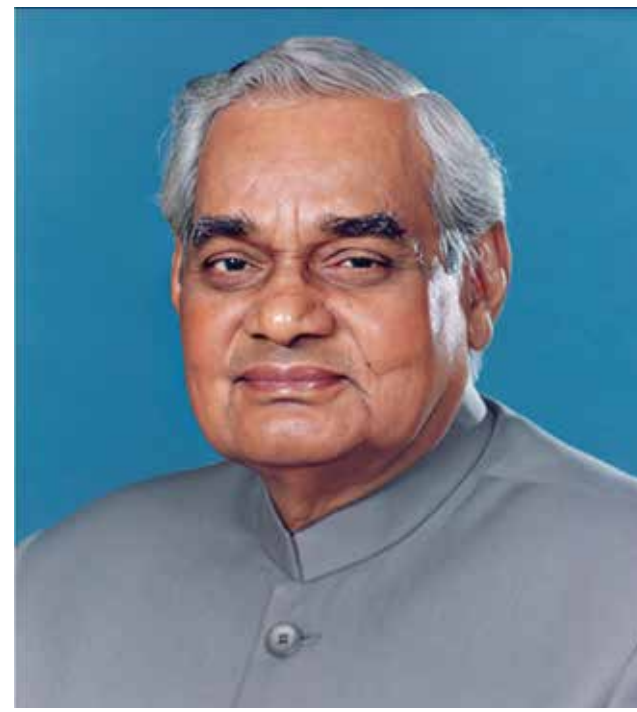

प्रधानमंत्री सहायता कोष के लिए बड़ी मात्रा में धन की आवश्यकता है। धन बड़ी-बड़ी रकमों में दिया जाए यह जरूरी नहीं है, छोटी-छोटी राशियां भी भेजी जा सकती हैं। देश में करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें राहत की आवश्यकता है। कभी-कभी प्राकृतिक आपदा, गुजरात जैसा झंझावत, कहीं ओलावृष्टि, अतिवृष्टि, दुर्घटना, अपघात बड़ी संख्या में लोग पीड़ित होते हैं और उनकी थोड़ी सी भी सहायता करने के लिए धन जुटाना मुश्किल होता है। इस स्थिति को बदलने की जरूरत है। हम सभी लोग थोड़ा-थोड़ा देश के लिए धन देना सीखें। टैक्स के रूप में नहीं, टैक्स तो समय पर देना चाहिए, पूरा देना चाहिए; लेकिन उसके अतिरिक्त। पारिवारिक समारोह में बड़ी मात्रा में पैसा खर्च किया जाता है। उस अवसर पर आनंद होना स्वाभाविक भी है, लेकिन अगर उस समय या त्योहारों के मौके पर थोड़ा सा धन हम समाज के लिए निकालें, जरूरी नहीं है कि प्रधानमंत्री सहायता कोष में भेजें, किसी गैर सरकारी संस्था को दे सकते हैं, स्वयंसेवक संगठन को दे सकते हैं, किसी विद्यालय के लिए, किसी अस्पताल के लिए अपना योगदान कर सकते हैं। लेकिन, मन में यह भावना होनी चाहिए कि अगर हम किसी दूसरे का दुःख बांटेंगे तो हमारा सुख बढ़ेगा।

कामये दुःख तप्तानाम् प्राणिनामार्त नाशनम्।

हमारे पूर्वजों ने राज्य नहीं मांगा था, समृद्धि की कामना नहीं की थी, हमें उपदेश दिया था कि दूसरे की पीड़ा को अगर हम कम करने में सहायक हो सकें तो फिर हमारा यह जीवन सफल होगा। यह हमारे लिए एक बड़े सौभाग्य की बात होगी। जिन देशों को हम भौतिकवादी देश कहते हैं, उनमें बड़ी मात्रा में लोग समाज के लिए, पीड़ितों के लिए, दलितों के लिए, अपंगों के लिए दान देते हैं। छोटी-छोटी रकमों से अरबों रुपए इकट्ठे हो सकते हैं।

हमारे पूर्वजों ने राज्य नहीं मांगा था, समृद्धि की कामना नहीं की थी, हमें उपदेश दिया था कि दूसरे की पीड़ा को अगर हम कम करने में सहायक हो सकें तो फिर हमारा यह जीवन सफल होगा। यह हमारे लिए एक बड़े सौभाग्य की बात होगी। जिन देशों को हम भौतिकवादी देश कहते हैं, उनमें बड़ी मात्रा में लोग समाज के लिए, पीड़ितों के लिए, दलितों के लिए, अपंगों के लिए दान देते हैं

पोखरण के बाद भारत का संसार में एक नया स्थान बना है। हमें अलग-थलग करने की कोशिशें व्यर्थ हुई हैं और सब भारत के महत्त्व को स्वीकार कर रहे हैं, करेंगे। आखिर राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। पिछले पचास साल की कहानी मन को ठेस

पहुंचानेवाली कहानी है। हमने अपनी भूमि खोई है, हमारे सम्मान को चोट लगी है। फिर भी हम धैर्य धारण करते रहे। ऐसे विश्व की कामना करते रहे, जिसमें अणु अस्त्रों के लिए कोई स्थान नहीं होगा।

जब हमारे पड़ोस में पहली बार अणु विस्फोट हुआ था तो हमने अनेक अणु शस्त्रधारी देशों से सहायता मांगी थी, उनका सहयोग प्राप्त करने का प्रयास किया था, मगर हमें निराशा हाथ लगी। तब ऐसा लगा कि आज रक्षा के मामले में, राष्ट्र की सुरक्षा के मामले में हमें अपने पैरों पर खड़ा होना पड़ेगा। उसके कारण हमारे ऊपर दबाव बढ़ा, कठिनाइयां बढ़ीं, हमारा दायित्व भी बढ़ा है। हम एक न्यूक्लियर देश हैं। यह सम्मान हमें किसी ने दिया नहीं है। यह हमने अर्जित किया है। हमारे वैज्ञानिकों की, हमारे इंजीनियरों की, टैक्नीशियंस की इसके पीछे पचास साल की साधना है। मैं अकेले इसका श्रेय नहीं लेता। लेकिन हां परीक्षण, जब हुआ तब मेरे हाथ में बागडोर थी। यह संयोग था। सचमुच में परीक्षण तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था। जब फ्रांस परीक्षण कर रहा था, जब चीन परीक्षण कर रहा था, परीक्षण करने पर कोई प्रतिबंध नहीं था, जब परीक्षण करना आलोचना का विषय नहीं था। तब हमारी सरकार ने परीक्षण नहीं किया। क्यों नहीं किया? फिर जब वातावरण बिगड़ा तो हम चुपचाप उसे देख नहीं सकते थे। हमने कहा कि हम अपना कर्तव्य पूरा करेंगे।

तीसरी दुनिया के देशों में हमारे अणु परीक्षणों से एक नया आत्मविश्वास पैदा हुआ है। गुटनिरपेक्ष देशों में इससे यह भावना बलवती हुई है कि संसार को एक ध्रुव पर नहीं नचाया जा सकता। आसपास जब परमाणु अस्त्रों के अंबार लग रहे हों तो हमें राष्ट्र की रक्षा के लिए जो आवश्यक कदम हैं वे उठाने हैं। वे हमने उठाए हैं। लेकिन, इसकी वजह से दबाव बढ़े हैं, कठिनाइयों में वृद्धि हुई है। कुछ ऋण मिलने बंद हो गए हैं, कुछ सहायता आनी रुक गई है। हम दबाव का भी बड़े आत्मविश्वास के साथ सामना करेंगे। दबाव के कारण हम अपनी सही नीतियों में परिवर्तन नहीं लाएंगे। हमने जो किया है, सोच-समझकर किया है। धीरे-धीरे जैसे-जैसे वक्त बीतता जा रहा है लोग हमारे कदम की उपयोगिता, हमारे कदम की आवश्यकता समझ रहे हैं, लेकिन केवल पोखरण के कारण नहीं।

वैसे भी जब हम आजादी की पचासवीं स्वर्ण जयंती मना रहे हैं, स्वर्ण जयंती पर देश की दशा को गहराई से देखना चाहिए और इस बात पर विचार करना चाहिए कि दुनिया की दौड़ में हम पीछे क्यों रह गए हैं? यह ठीक है कि अनेक देशों से हमारी स्थिति अच्छी है, लेकिन हम जैसी स्थिति चाहते हैं वैसी नहीं है।

'चुनाव हुए, सरकार बदली; लेकिन सरकार बदली हैं - बदले-बदले मेरे सरकार नजर आते हैं। इसके आगे की लाइन मैं नहीं कहता। घर की आबादी के आसार नजर आते हैं। चेहरे बदले हैं, अभी चाल बदलनी है और चरित्र में परिवर्तन लाना है। इस ढांचे में कुछ ऐसी दुर्बलताएं आ गई हैं, जो प्रगति के पथ पर पांव बढ़ाने में बाधक हैं। जो अब सत्ता में नहीं हैं मैं उन्हें दोष नहीं दे रहा और उस परीक्षा में मैं भी शामिल हूं, मेरी भी परीक्षा हो रही है, मेरा भी इम्तिहान हो रहा है। क्या जनता की इतनी आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप हम अपना काम कर सकेंगे? क्या कठिनाइयों की लहरों के बीच में से निकालकर हम राष्ट्र की नौका को समृद्धि के तट तक ले जा सकेंगे? आरंभ हुआ है और अच्छा आरंभ हुआ है।

गंगावतरण हमने देखा। गंगा जब आई पवित्र थी, आज गंगा को पवित्र रखने के लिए अभियान चलाना पड़ रहा है। हम पहले गंगा को गंदी करते हैं और फिर उसकी सफाई करते हैं। यह जमुना पर भी लागू होता है। गंगा के कारण आप यह नहीं समझें कि दूर की बात कर रहे हैं। प्रदूषण के कारण क्या स्थिति है?

सरकार की उम्र वर्षों में नहीं नापी जाती, उसके कार्यों में नापी जाती है। कभी एक काम ऐसा होता है, जो बरसों तक याद किया जाता है। मैं आप सब भाइयों और बहनों से कहना चाहता हूं कि आप सामाजिक कार्यों में रुचि लें। सरकार के साधन सीमित हैं, सरकार की क्षमता सीमित है, तंत्र बिगड़ा हुआ है उसको जब तक गैर सरकारी प्रयासों से ठीक नहीं किया जाएगा, सुधार नहीं किया जाएगा, तब तक तेजी से आगे बढ़ना मुश्किल होगा

आजकल कभी-कभी पार्लियामेंट में बड़ा आनंद आता है। थोड़े दिन पहले प्रतिपक्ष में बैठकर या खड़े होकर हम जो कुछ कहते थे, वे बातें आजकल हमें सुननी पड़ रही हैं। जब से हम सत्ता पक्ष में आए हैं, हमारे मित्र हमारी बातें दोहरा रहे हैं और हमें कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने अभी तक ऐसा कोई काम नहीं किया, जिसके लिए हम कटघरे में खड़े किया जा सकें। जो कुछ किया है ठीक दिशा में किया है। उसकी गति से हम भी संतुष्ट नहीं है, लेकिन आरंभ अच्छा है और अंत भी अच्छा होगा।

सरकार की उम्र वर्षों में नहीं नापी जाती, उसके कार्यों में नापी जाती है। कभी एक काम ऐसा होता है, जो बरसों तक याद किया जाता है। मैं आप सब भाइयों और बहनों से कहना चाहता हूं कि आप सामाजिक कार्यों में रुचि लें। सरकार के साधन सीमित हैं, सरकार की क्षमता सीमित है, तंत्र बिगड़ा हुआ है उसको जब तक गैर सरकारी प्रयासों से ठीक नहीं किया जाएगा, सुधार नहीं किया जाएगा, तब तक तेजी से आगे बढ़ना मुश्किल होगा। इसीलिए मैंने पोद्दारजी का प्रस्ताव मान लिया। मैं स्वार्थ से आया हूं, लेकिन मेरा स्वार्थ सार्वजनिक स्वार्थ है। कोई व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं है। मैं ऐसोसिएशन को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने एक ठोस प्रयत्न किया। वे अपने कार्यक्रम सफलतापूर्वक करते रहें, नव-चेतना जागृत करें, सांस्कृतिक समृद्धि में हाथ बंटाएं, मगर साथ-साथ, जिन लोगों को राहत की आवश्यकता है उनका भी ध्यान रखें। ■

जननेता
भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी

अटलजी ने भारतीय राजनीति में एक अनूठी और गौरवशाली विरासत छोड़ी है। उन्होंने वास्तव में भारत की भावना का प्रतिनिधित्व किया, जहां लोकतांत्रिक परंपराओं ने राष्ट्र के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने को आकार दिया है। वह राजनीति में आपातकाल और तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध करने में भी सबसे आगे रहे। उनका राष्ट्रवाद लोकतांत्रिक भावना से ओत-प्रोत था, जिसमें भारतीय समाज की विविधताओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सरोकारों के विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति विकसित करने की परंपरा के माध्यम से संबोधित किया गया है। अपने लंबे संसदीय जीवन में वे विपक्ष में रहते हुए भी महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी अमिट छाप छोड़ने में सफल रहे।

राष्ट्र को परेशान करनेवाली विभिन्न समस्याओं पर उनकी पकड़ के कारण ही उन्होंने राष्ट्रीय लोकाचार और मूल्य आधारित राजनीति के भीतर सभी समस्याओं का समाधान खोजने का प्रयास किया। देश की मिट्टी से जुड़े वह एक ऐसे नेता थे, जो अपनी राजनीतिक अंतर्दृष्टि के लिए जाने जाते थे, इस बात का उनके राजनीतिक विरोधी भी सम्मान करते थे। राष्ट्र को उन पर इतना विश्वास था कि संकट के समय उनके राजनीतिक विरोधियों ने भी उनकी सलाह ली थी। 'मां भारती' के सच्चे सपूत के रूप में, उन्होंने कई मौकों पर पक्षपातपूर्ण राजनीति से ऊपर उठना पसंद किया और राष्ट्रीय हितों की वेदी पर पार्टी के हितों का त्याग करने के विकल्प को भी चुना। जब आपातकाल घोषित किया गया, तो जनसंघ का विलय व्यापक राष्ट्रीय हित में जनता पार्टी में कर दिया गया। सिद्धांतों और विचारधारा पर एक अडिग नेता के रूप में वह भारतीय जनता पार्टी बनाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ जनता पार्टी से बाहर आए। उनका सैद्धांतिक और मूल्य आधारित राजनीति पर अटूट विश्वास था।

पूर्व रियासत ग्वालियर (अब मध्य प्रदेश राज्य का हिस्सा) में 25 दिसंबर, 1924 को एक विनम्र स्कूल शिक्षक के परिवार

राष्ट्र को उन पर इतना विश्वास था कि संकट के समय उनके राजनीतिक विरोधियों ने भी उनकी सलाह ली थी। 'मां भारती' के सच्चे सपूत के रूप में, उन्होंने कई मौकों पर पक्षपातपूर्ण राजनीति से ऊपर उठना पसंद किया और राष्ट्रीय हितों की वेदी पर पार्टी के हितों का त्याग करने के विकल्प को भी चुना

में जन्मे श्री वाजपेयी का सार्वजनिक जीवन में उदय उनके राजनीतिक कौशल और भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती को दर्शाता है। दशकों बाद वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे, जिन्हें उनके उदार विश्वदृष्टि और लोकतांत्रिक आदर्शों के लिए जाना गया।

वह एक उत्कृष्ट वक्ता थे और उन्होंने अपनी जादुई शैली से जनता को मंत्रमुग्ध किया। राष्ट्र उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता था और यह सपना देश में लोगों के बढ़ते समर्थन के साथ साकार भी हुआ। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने उल्लेखनीय सफलता के साथ हर मोर्चे पर देश का नेतृत्व किया। भारत एक शांतिपूर्ण परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में उभरा जो अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद भी अपने पथ पर चलता रहा। एक सच्चे 'अटल' के रूप में वे कभी दबाव में नहीं झुके, बल्कि यह उनके लिए वैश्विक स्तर पर भारत की आंतरिक ताकत को साबित करने का एक अवसर था। उन्होंने बुनियादी ढांचे के क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देते हुए और भारत को विभिन्न मोर्चों पर आत्मनिर्भर बनाते हुए सुशासन और विकास की एक नई गाथा लिखी। जैसाकि उन्होंने अपने एक भाषण में कहा था, उन्होंने समय के कैनवास पर अमिट छाप छोड़ी है। उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग उभरते हुए नए भारत के लिए मार्गदर्शक बन गया है।

अटलजी ने पीढ़ी दर पीढ़ी देशभक्ति और राष्ट्र प्रेम की गहन भावना के साथ सार्वजनिक जीवन में योगदान देने के लिए सभी को प्रेरित किया है। भारतीय राजनीति में विकल्प देने के उद्देश्य से शुरू हुए राजनीतिक आंदोलन की परिणति उनके रूप में हुई, क्योंकि वे भारत के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया। यह उनके नेतृत्व में बनाया गया एक इतिहास था और देश के लाखों लोगों द्वारा पोषित एक विरासत थी। एक सच्चे राजनेता, लोकतंत्रवादी, आम सहमति बनानेवाले और सबसे बढ़कर वह राजनीति में एक सज्जन व्यक्ति थे। अटलजी का स्वर्गवास 16 अगस्त, 2018 को 93 वर्ष की आयु में हो गया।

'कमल संदेश' अटलजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता है। ■

मालदीव के राष्ट्रपति का भारत दौरा

भारत और मालदीव ने छह समझौतों पर किए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति श्री इब्राहिम सोलिह के बीच दो अगस्त को नई दिल्ली में हुई शिखर वार्ता के बाद भारत और मालदीव ने छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के बीच क्षमता निर्माण, साइबर सुरक्षा, आवास, आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे में सहयोग बढ़ाने को लेकर समझौते हुए।

शिखर वार्ता के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मालदीव को 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त ऋण सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, ताकि सभी परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों में नया जोश देखने को मिला है और नजदीकियां बढ़ीं हैं। श्री मोदी ने कहा कि कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद हमारे बीच का सहयोग व्यापक साझेदारी का रूप ले रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंद महासागर में अंतरराष्ट्रीय अपराध, आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी का खतरा गंभीर है। उन्होंने कहा कि शांति के लिए भारत-मालदीव के बीच घनिष्ठ संबंध महत्वपूर्ण हैं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत-मालदीव साझेदारी न केवल दोनों देशों के नागरिकों के हित में काम कर रही है, बल्कि यह स्थिरता का स्रोत भी बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मालदीव की किसी भी जरूरत या संकट पर भारत ने सबसे पहले प्रतिक्रिया दी है और आगे भी देता रहेगा।

वहीं, मालदीव के राष्ट्रपति श्री सोलिह ने कहा कि हम आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हैं। उन्होंने कहा कि मालदीव भारत का सच्चा मित्र रहेगा।

मालदीव के राष्ट्रपति की भारत यात्रा की मुख्य बातें

ग्राउंडब्रेकिंग/परियोजनाओं की समीक्षा

1. ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट की आधारशिला रखना- 500 मिलियन अमेरिकी डालर की भारत द्वारा वित्त पोषित परियोजना- इसके स्थायी कार्यों का शुभारंभ करना
2. हुलहुमले में 4,000 सामुदायिक आवास इकाइयों के निर्माण, जिसके लिए 227 मिलियन अमेरिकी डालर का वित्त पोषण एक्ज़िम बैंक ऑफ इंडिया के क्रेता क्रेडिट वित्त के तहत किया जा रहा है, की प्रगति की समीक्षा
3. भारत मालदीव विकास सहयोग का समग्र आंकलन

समझौते/समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान

1. एनआईआरडीपीआर, भारत और स्थानीय सरकार प्राधिकरण, मालदीव के बीच मालदीव की स्थानीय परिषदों और महिला विकास समिति के सदस्यों के क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण से संबंधित समझौता ज्ञापन
2. इन्कोइस, भारत और मत्स्यपालन मंत्रालय, मालदीव के बीच संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र पूर्वानुमान क्षमता निर्माण एवं डेटा साझाकरण और समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित समझौता ज्ञापन
3. सीईआरटी-भारत और एनसीआईटी, मालदीव के बीच साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन
4. एनडीएमए, भारत और एनडीएमए, मालदीव के बीच आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन
5. एक्ज़िम बैंक, भारत और वित्त मंत्रालय, मालदीव के बीच मालदीव में पुलिस बुनियादी ढांचे के लिए 41 मिलियन अमेरिकी डालर के क्रेता ऋण वित्तपोषण का समझौता
6. हुलहुमले में निर्मित की जाने वाली अतिरिक्त 2,000 सामुदायिक आवास इकाइयों के लिए 119 मिलियन अमेरिकी डालर के क्रेता ऋण वित्तपोषण के अनुमोदन से संबंधित एक्ज़िम बैंक ऑफ़ इंडिया और वित्त मंत्रालय, मालदीव के बीच आशय पत्र

घोषणाएं

1. मालदीव में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डालर की नई लाइन ऑफ क्रेडिट प्रदान करना
2. लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत 128 मिलियन अमेरिकी डालर की हनीमाधू हवाई अड्डा विकास परियोजना के लिए ईपीसी अनुबंध प्रदान करने की स्वीकृति
3. लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत 324 मिलियन अमेरिकी डालर की गुलहिफाहलू बंदरगाह विकास परियोजना के डीपीआर की स्वीकृति और निविदा प्रक्रिया की शुरुआत
4. लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत 30 मिलियन अमेरिकी डालर की कैंसर अस्पताल परियोजना के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट और वित्तीय समापन की स्वीकृति
5. हुलहुमले में अतिरिक्त 2,000 सामुदायिक आवास इकाइयों के लिए भारतीय एक्ज़िम बैंक द्वारा 119 मिलियन अमेरिकी डालर का क्रेता ऋण वित्तपोषण
6. मालदीव से भारत को शुल्क मुक्त टूना निर्यात की सुविधा
7. मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल को पहले प्रदान किए गए जहाज-सीजीएस हुरवी के स्थान पर एक प्रतिस्थापन जहाज की आपूर्ति
8. मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल को दूसरे लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट (एलसीए) की आपूर्ति
9. मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल को 24 जनोपयोगी वाहनों का उपहार

कांग्रेस का तथाकथित सत्याग्रह एक परिवार को बचाने का कुत्सित प्रयास: जगत प्रकाश नड्डा

नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में ईडी द्वारा श्रीमती सोनिया गांधी से पूछताछ के विरोध में कांग्रेस तथाकथित सत्याग्रह कर रही है। इस मुद्दे पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा 27 जुलाई, 2022 को संसद परिसर में मीडिया को दिए गए संबोधन के मुख्य बिंदु:

कांग्रेस पार्टी आज अपने शीर्ष नेतृत्व के भ्रष्टाचार की हो रही जांच के खिलाफ जो धरना-प्रदर्शन कर रही है, वह सत्याग्रह नहीं है बल्कि असत्य के लिए दुराग्रह है। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस पार्टी सत्य पर ग्रहण लगाने की नापाक कोशिश कर रही है। यदि कोई व्यक्ति किसी भी जांच एजेंसी की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है, तो इसके लिए न्यायालय का दरवाजे हमेशा खुले हैं। जांच एजेंसियों के खिलाफ सड़कों पर उतरना और भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच का विरोध करना - कहीं ना कहीं यह दर्शाता है कि भ्रष्टाचार के मामले के आरोपी कानूनी लड़ाई में स्पष्ट रूप से कमजोर हैं।

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शक्तियों को लेकर दायर याचिका पर अभी-अभी सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट और ईडी के ज्यूरिडिक्शन को सही ठहराया है और उसे अपहोल्ड किया है। हम न्यायालय का सम्मान करते हैं। हम देश के संविधान एवं कानून का सम्मान करते हैं।

> कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार को भी नियम और कानून के अनुसार चलना चाहिए और जांच एजेंसियों के सवाल का जबाव देना ही चाहिए

हजारों करोड़ रुपये के नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में ईडी द्वारा सोनिया गांधी से पूछताछ की जा रही है तो कांग्रेस इसके विरोध में तथाकथित सत्याग्रह कर रही है। यह एक परिवार को बचाने का कुत्सित प्रयास है। यह सब धरना-प्रदर्शन केवल एक परिवार को बचाने का राजनैतिक अभियान चल रहा है। कांग्रेस पार्टी जांच एजेंसियों पर जो सवाल उठा रही है और जिस तरह से सड़क पर भ्रष्टाचार के समर्थन में धरना-प्रदर्शन कर रही है, वह कहीं से भी उचित नहीं है।

यह सर्वविदित है कि नेशनल हेराल्ड मामले में करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ है। इससे जुड़े लोगों को जांच एजेंसी के सामने जबाव देना चाहिए। यह उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन यह गांधी परिवार अपने आप को देश और कानून से ऊपर समझता है। यदि कोई इस बारे में उनसे सवाल पूछे तो उन्हें नागवार गुजरता है। उनसे सवाल करने की कोई हिमाकत करे, तो यह गांधी परिवार स्वीकार नहीं करता है।

देश संविधान से चलता है। कानून अपना काम कर रहा है। कानून के सामने अपनी बात रखना, किसी भी व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन कांग्रेस पार्टी द्वारा नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार की जांच के खिलाफ धरना-प्रदर्शन, कांग्रेस और एक परिवार (गांधी परिवार) द्वारा खुद को कानून से उपर समझने का कुत्सित प्रयास है। यह इस देश में चलने वाला नहीं है। कानून एवं नियम सबके लिए बराबर होते हैं। नियम एवं कानून का पालन करना और जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करना, उनके सवालों के जबाव देना सबकी जिम्मेवारी भी है।

कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार को भी नियम और कानून के अनुसार चलना चाहिए और जांच एजेंसियों के सवाल का जबाव देना ही चाहिए। देश में कोई व्यक्ति या संस्थान जांच एजेंसी का दुरुपयोग कैसे कर सकता है? ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी है और अपने ढंग से काम करती है। कोई भी जांच एजेंसी कानून के दायरे में काम करती है। ईडी, सीबीआई आदि जांच एजेंसियां ने अपने नियमित कार्रवाई के दौरान छापेमारी कर लाखों करोड़ रुपए नकद जब्त किए हैं। जांच एजेंसियां भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलेरेंस नीति के तहत सराहनीय कार्य करते हुए देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। ■

भाजयुमो की बाइक रैली में लहराया तिरंगा

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने 9 और 10 अगस्त, 2022 को आज़ादी के अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बाइक रैलियां आयोजित की।

यह बाइक रैलियां केंद्र सरकार के 'हर घर तिरंगा — आजादी का अमृत महोत्सव अभियान' को बढ़ावा देने के लिए थीं। विधानसभा क्षेत्र में आयोजित बाइक रैलियों में तिरंगा के साथ 75 से अधिक बाइक शामिल थे।

युवाओं में इस तिरंगा बाइक रैली को लेकर इतना उत्साह था कि हर जगह बाइक के साथ-साथ भारी संख्या में पैदल चल रहे युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा।

देश भर के हजारों युवाओं ने इस अभियान को बढ़ावा दिया और भाजयुमो में शामिल होकर राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को प्रदर्शित किया। कई जिलों में विधायक और सांसद भी बाइक रैली में शामिल हुए। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्षों ने बाइक रैली में शामिल होकर एकता की भावना को बढ़ावा दिया। रैलियां बाजारों से होकर गुजरीं और भारी आबादी वाले क्षेत्रों में देशभक्ति की लहर दौड़ गई।

'हर घर तिरंगा अभियान' भारत की आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर लोगों को तिरंगा घर लाने और फहराने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर चलाया जा रहा है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में राष्ट्र ध्वज को घर लाना और फहराना, यह राष्ट्र-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद श्री तेजस्वी सूर्या ने 9 अगस्त को हरियाणा के बल्लभगढ़ में आयोजित एक बाइक रैली में भाग लिया। युवाओं को संबोधित करते हुए श्री तेजस्वी सूर्य ने कहा, "यह हर घर तिरंगा यात्रा हमारे देश की आजादी के 75 साल पूरे होने का उत्सव है। यह यात्रा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के 125 करोड़ से अधिक भारतीयों के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' यात्रा एक अरब से अधिक भारतीयों का संदेश है, 'भारत एक है।' इस तरह के आयोजन भारत के युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने और उन्हें गौरवशाली अतीत और आगे के उज्ज्वल भविष्य की याद दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" ■

कारगिल विजय दिवस पर कश्मीर में तिरंगा यात्रा निकाली

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने 25 एवं 26 जुलाई, 2022 को कारगिल विजय दिवस पर दो दिवसीय तिरंगा यात्रा आयोजित की। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुग ने श्रीनगर के लालचौक से यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों सहित 3000 युवाओं ने भाग लिया। 26 जुलाई को भाजयुमो ने तिरंगा यात्रा के साथ सभी जिलों में 'प्रभात फेरी' का भी आयोजन किया। 370 हटने के बाद यह पहला अवसर है जब कश्मीर में इस तरह का भव्य आयोजन किया गया है।

यात्रा को हरी झंडी दिखाते हुए भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुग ने कहा कि पहले किसी को भी लालचौक पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति नहीं थी और अगर किसी ने प्रयास किया तो उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, लेकिन जम्मू-कश्मीर में 370 हटने के बाद अब काफी बदलाव हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में भारी निवेश आ रहा है और प्रगति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने कहा कि विजय दिवस पर लालचौक से कारगिल तक का यह मार्च हमारे देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। मैं कारगिल के महान शहीदों को नमन करता हूं और भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयीजी के दृढ़ संकल्प को नमन करता हूं, जिन्होंने इस शानदार विजय को संभव बनाया। भाजयुमो के लाखों कार्यकर्ताओं की ओर से मैं कैप्टन बत्रा और उन सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने तिरंगे के सम्मान की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। ■

प्रधानमंत्री ने गिफ्ट सिटी में भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज–आईआईबीएक्स का किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 जुलाई को गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के मुख्यालय भवन की आधारशिला रखी। उन्होंने गिफ्ट-आईएफएससी में भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्सएफ) का भी शुभारंभ किया। उन्होंने एनएसई आईएफएससी-एसजीएक्स कनेक्ट की भी शुरुआत की। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल, केंद्रीय मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, केंद्र सरकार और राज्य सरकार के मंत्री, राजनयिक, कारोबार के क्षेत्र के दिग्गज उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन भारत की बढ़ती आर्थिक और तकनीकी ताकत और भारत के कौशल में बढ़ते वैश्विक विश्वास के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज गिफ्ट सिटी में इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर अथॉरिटी—आईएफएससी हेड क्वार्टर बिल्डिंग का शिलान्यास किया गया है। मुझे विश्वास है, ये भवन अपने आर्किटैक्चर में जितना भव्य होगा, उतना ही भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के असीमित अवसर भी खड़े करेगा।

श्री मोदी ने कहा कि गिफ्ट सिटी वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के केंद्र के रूप में एक मजबूत पहचान बना रहा है। गिफ्ट सिटी वेल्थ और विजडम दोनों को सेलिब्रेट करता है। उन्हें ये देखकर भी खुशी हुई कि गिफ्ट सिटी के जरिए भारत विश्व स्तर पर सेवा क्षेत्र में अपनी एक मजबूत हिस्सेदारी के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी एक ऐसा स्थान है जहां वेल्थ क्रिएशन हो रही है और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ दिमाग यहां जुट रहे हैं और सीख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक लिहाज से ये वित्त और व्यापार में भारत के गौरव को फिर से हासिल करने का एक जरिया भी है। ■

प्रधानमंत्री ने गुजरात के धरमपुर में श्रीमद् राजचंद्र मिशन की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चार अगस्त को गुजरात के वलसाड जिले में श्रीमद् राजचंद्र मिशन, धर्मपुर की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अस्पताल की परियोजनाएं महिलाओं और समाज के अन्य जरूरतमंद वर्गों के लिए बहुत बड़ी सेवा साबित होंगी। उन्होंने श्रीमद् राजचंद्र मिशन की मौन सेवा भावना की प्रशंसा की।

मिशन के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए श्री मोदी ने उनकी सेवा के रिकॉर्ड की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नए अस्पताल से गरीबों की सेवा के लिए मिशन की प्रतिबद्धता और मजबूत होती है। यह अस्पताल और अनुसंधान केंद्र सभी के लिए सस्ती गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाएगा। श्री मोदी ने कहा कि यह 'अमृत काल' में स्वस्थ भारत की परिकल्पना को बल देने वाला है। यह स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सबका प्रयास (सभी के प्रयास) की भावना को भी मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में देश अपनी उन संतानों को याद कर रहा है, जिन्होंने भारत को गुलामी से बाहर निकालने के लिए प्रयास किए। श्रीमद् राजचंद्र जी ऐसे ही संत थे जिनका एक विराट योगदान इस देश के इतिहास में है। श्री मोदी ने श्रीमद् राजचंद्र जी के लिए महात्मा गांधी द्वारा की गई सराहना के बारे में भी बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे लोग जिन्होंने अपना जीवन महिला, जनजातीय लोगों और वंचित तबके के सशक्तीकरण के लिए समर्पित कर दिया है, वे देश की चेतना को जीवित रख रहे हैं। महिलाओं के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के रूप में बड़े कदम का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि श्रीमद् राजचंद्र जी तो शिक्षा और कौशल से बेटियों के सशक्तीकरण के बहुत आग्रही थे। उन्होंने बहुत कम आयु में ही महिला सशक्तीकरण पर गंभीरता से अपनी बातें रखीं। ■

नीति आयोग की संचालन परिषद् की सातवीं बैठक संपन्न

जी20 भारत को अपने राज्यों की ताकत दिखाने का एक अवसर होगा: नरेन्द्र मोदी

भारत की संघीय संरचना और सहकारी संघवाद कोविड संकट के दौरान दुनिया के लिए एक मॉडल के रूप में उभरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारी संघवाद की भावना से किए गए सभी राज्यों के सामूहिक प्रयासों को ऐसी ताकत बताई, जिसने भारत को कोविड महामारी से उबरने में मदद की। नीति आयोग की संचालन परिषद् (जीसी) की सातवीं बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हर राज्य ने अपनी ताकत के अनुसार अहम भूमिका निभाई और कोविड के खिलाफ भारत की लड़ाई में योगदान दिया। इसने भारत को विकासशील देशों के लिए एक वैश्विक नेता के रूप में देखने के लिए एक उदाहरण के रूप में उभरने का मौका दिया।

कोविड महामारी की शुरुआत के बाद से संचालन परिषद् की यह पहली सशरीर उपस्थिति के साथ बैठक थी, इससे पहले 2021 की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई थी। इस बैठक में 23 मुख्यमंत्रियों, 3 उपराज्यपालों, 2 प्रशासकों और केंद्रीय मंत्रियों ने भाग लिया। बैठक का संचालन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया।

अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की संघीय संरचना और सहकारी संघवाद कोविड संकट के दौरान दुनिया के लिए एक मॉडल के रूप में उभरा। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया के विकासशील देशों को एक शक्तिशाली संदेश दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद चुनौतियों से पार पाना संभव है।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह सातवीं बैठक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की पहचान करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच महीनों के कठोर विचार-मंथन और परामर्श का नतीजा है।

उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल में पहली बार भारत के सभी मुख्य सचिवों ने एक जगह एक साथ मुलाकात की और तीन दिनों तक राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इस सामूहिक प्रक्रिया से इस बैठक का एजेंडा उभरकर सामने आया।

इस वर्ष नीति आयोग की संचालन परिषद् ने चार प्रमुख एजेंडों पर चर्चा की:

- फसल विविधीकरण और दलहन, तिलहन तथा अन्य कृषि उपजों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना
- स्कूली शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का कार्यान्वयन
- उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन
- शहरी शासन

प्रधानमंत्री ने उपरोक्त सभी मुद्दों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से भारत को आधुनिक कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, ताकि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर और वैश्विक मार्गदर्शक बन सकें।

उन्होंने कहा कि शहरी भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए जीवन की सुगमता, पारदर्शी सेवा वितरण और जीवन की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर तेजी से बढ़ते शहरीकरण को कमजोरी के बजाय भारत की ताकत बनाया जा सकता है। श्री मोदी ने 2023 में भारत के जी20 की अध्यक्षता करने के बारे में भी बात की। उन्होंने इसे दुनिया को यह दिखाने का एक अनूठा अवसर बताया कि भारत सिर्फ दिल्ली नहीं है– इसमें देश का हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश शामिल है।

श्री मोदी ने कहा कि हमें जी20 के इर्द-गिर्द एक जन आंदोलन विकसित करना चाहिए। इससे हमें देश में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं की पहचान करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल से अधिकतम संभव लाभ प्राप्त करने के लिए राज्यों में जी20 के लिए एक समर्पित टीम होनी चाहिए।

अपने समापन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक राज्य को दुनिया भर में हर भारतीय मिशन के माध्यम से अपने 3टी— ट्रेड (व्यापार), टूरिज्म (पर्यटन), टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) को बढ़ावा देने पर ध्यान देना चाहिए। ■

संसद के दोनों सदनों से पांच विधेयक हुए पारित

22 दिनों तक चले मॉनसून सत्र में 16 बैठकें हुईं। लोकसभा से 7 विधेयक और राज्यसभा से 5 विधेयक पारित हुए

18 जुलाई से शुरू हुआ संसद का मॉनसून सत्र 8 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया। 22 दिनों तक चले इस सत्र में 16 बैठकें हुईं। सत्र के दौरान लोकसभा में 6 विधेयक पेश किए गए। लोकसभा से 7 विधेयक और राज्यसभा से 5 विधेयक पारित हुए। सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों से कुल 5 विधेयक पारित किए गए। दोनों सदनों से पारित प्रमुख विधेयक निम्न हैं:

कुटुंब न्यायालय (संशोधन) विधेयक 2022 के तहत मूल अधिनियम में संशोधन किया गया है और हिमाचल प्रदेश में 15 फरवरी, 2019 से और नगालैंड में 12 सितंबर, 2008 से चल रहे पारिवारिक या कुटुंब न्यायालय को कानूनी मान्यता देने का प्रावधान है। इसके अलावा, एक नई धारा 3ए को शामिल किया गया है, जिससे इस संबंध में हिमाचल प्रदेश और नगालैंड की राज्य सरकारों की सभी कार्रवाइयों को विधिमान्य किया जा सकेगा।

सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों पर पाबंदी) संशोधन विधेयक 2022 के तहत-

1. सामूहिक विनाश के हथियारों और उनकी वितरण प्रणालियों के संबंध में किसी भी गतिविधि के लिए फंडिंग को प्रतिबंधित करता है;
2. केंद्र सरकार को अधिकार देता है जिससे वह-

क) इस तरह की फंडिंग को रोकने के लिए धन या अन्य वित्तीय संपत्ति या आर्थिक संसाधनों को फ्रीज, जब्त या अटैच कर सके;

ख) सामूहिक विनाश के हथियारों और उनकी वितरण प्रणालियों के संबंध में किसी भी प्रतिबंधित गतिविधि के लिए धन, वित्तीय संपत्ति या आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराने पर रोक लगा सके।

भारतीय अंटार्कटिक विधेयक 2022, अंटार्कटिक में पर्यावरण और इस पर निर्भर एवं संबद्ध परिवेश के संरक्षण के लिए और अंटार्कटिक संधि को प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर उपायों का प्रावधान किया गया है। यह विधेयक अंटार्कटिक समुद्री जीवित संसाधनों के संरक्षण पर कन्वेंशन और अंटार्कटिक संधि के लिए पर्यावरण संरक्षण प्रोटोकॉल व उससे जुड़े मामलों के अनुरूप है।

राष्ट्रीय डोपिंग-रोधी विधेयक 2021, खेलों में डोपिंग रोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के गठन का प्रावधान करता है। इसके साथ ही खेल में डोपिंग के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन को प्रभावी बनाने के लिए और इस तरह के अन्य दायित्वों एवं उसके तहत प्रतिबद्धताओं का पालन सुनिश्चित करना है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2022 केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 में संशोधन करने के साथ ही एक कॉर्पोरेट निकाय के रूप में गति शक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रावधान करता है।

लोकसभा में पेश किए गए विधेयक

- कुटुंब न्यायालय (संशोधन) विधेयक 2022
- केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2022
- ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक 2022
- नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (संशोधन) विधेयक 2022
- प्रतिस्पर्धा (संशोधन) विधेयक 2022
- विद्युत (संशोधन) विधेयक 2022

लोकसभा से पारित विधेयक

- भारतीय अंटार्कटिक विधेयक 2022
- कुटुंब न्यायालय (संशोधन) विधेयक 2022
- राष्ट्रीय डोपिंग रोधी विधेयक 2021
- वन्य जीव (संरक्षण) संशोधन विधेयक 2021
- केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2022
- ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक 2022
- नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (संशोधन) विधेयक 2022

राज्यसभा से पारित विधेयक

- सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों का निषेध) संशोधन विधेयक, 2022
- भारतीय अंटार्कटिक विधेयक 2022
- राष्ट्रीय डोपिंग रोधी विधेयक 2021
- कुटुंब न्यायालय (संशोधन) विधेयक 2022
- केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2022

संसद के दोनों सदनों से पारित विधेयक

- सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों का निषेध) संशोधन विधेयक, 2022
- भारतीय अंटार्कटिक विधेयक 2022
- राष्ट्रीय डोपिंग रोधी विधेयक 2021
- कुटुंब न्यायालय (संशोधन) विधेयक 2022
- केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2022 ■

केन्द्रीय मंत्रिमंडल के महत्वपूर्ण फैसले

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मलेन को सूचना दिए जाने के लिए भारत के राष्ट्रीय स्तर पर अद्यतन निर्धारित योगदान को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने तीन अगस्त को संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मलेन (यूएनएफसीसीसी) को सूचना दिए जाने के लिए भारत के राष्ट्रीय स्तर पर अद्यतन निर्धारित योगदान (एनडीसी) को मंजूरी दे दी।

अद्यतन एनडीसी, पेरिस समझौते के तहत आपसी सहमति के अनुरूप जलवायु परिवर्तन के खतरे का मुकाबले करने के लिए वैश्विक कार्रवाई को मजबूत करने की दिशा में भारत के योगदान में वृद्धि करने का प्रयास करता है। इस तरह के प्रयास भारत की उत्सर्जन-वृद्धि को कम करने के रास्ते पर आगे बढ़ने में भी मदद करेंगे। यह देश के हितों को संरक्षित करेगा और यूएनएफसीसीसी के सिद्धांतों व प्रावधानों के आधार पर भविष्य की विकास आवश्यकताओं की रक्षा करेगा।

यूनाइटेड किंगडम के ग्लासगो में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मलेन (यूएनएफसीसीसी) के पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी26) के 26वें सत्र में भारत ने दुनिया के समक्ष पांच अमृत तत्व (पंचामृत) पेश किए तथा जलवायु कार्रवाई को तेज करने का आग्रह किया। भारत के मौजूदा एनडीसी का यह अद्यतन स्वरूप सीओपी 26 में घोषित 'पंचामृत' को उन्नत जलवायु लक्ष्यों में परिवर्तित कर देता है। यह अद्यतन स्वरूप भारत के 2070 तक नेट-जीरो के दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

अद्यतन एनडीसी के अनुसार भारत अब 2030 तक 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50 प्रतिशत संचयी विद्युत शक्ति की स्थापित क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आज की यह स्वीकृति गरीबों और कमजोर लोगों को जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए टिकाऊ जीवनशैली और जलवायु न्याय के प्रधानमंत्री श्री मोदी के दृष्टिकोण को भी आगे बढ़ाती है।

गौरतलब है कि भारत का एनडीसी इसे किसी क्षेत्र विशिष्ट शमन दायित्व या कार्रवाई के लिए बाध्य नहीं करता है। भारत का लक्ष्य समग्र उत्सर्जन तीव्रता को कम करना और समय के साथ अपनी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा दक्षता में सुधार करना है और साथ ही साथ अर्थव्यवस्था के कमजोर क्षेत्रों और हमारे समाज के वर्गों की रक्षा करना है। ■

मोबाइल सेवा से वंचित गांवों में 4जी मोबाइल सेवाओं के लिए 26,316 करोड़ रुपये की एक परियोजना को मिली मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 27 जुलाई को देश भर के समस्त मोबाइल सेवा से वंचित गांवों में 4जी मोबाइल सेवाओं को पूर्णता प्रदान करने के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी, जिस पर 26,316 करोड़ रुपये की कुल लागत आएगी।

इस परियोजना के तहत देश के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में अवस्थित 24,680 वंचित गांवों में 4जी मोबाइल सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इस परियोजना में पुनर्वास, नई बस्तियों, मौजूदा ऑपरेटरों द्वारा अपनी सेवाओं को वापस ले लेने इत्यादि को ध्यान में रखते हुए 20 प्रतिशत अतिरिक्त गांवों को शामिल करने का प्रावधान है। इसके अलावा, केवल 2जी/3जी कनेक्टिविटी वाले 6,279 गांवों को अपग्रेड करके वहां 4जी कनेक्टिविटी सुलभ कराई जाएगी।

इस परियोजना को बीएसएनएल द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' के 4जी प्रौद्योगिकी स्टैक का उपयोग करते हुए कार्यान्वित किया जाएगा और इसका वित्त पोषण यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के जरिए किया जाएगा। 26,316 करोड़ रुपये की परियोजना लागत में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) और 5 साल का परिचालन व्यय (ओपेक्स) शामिल है।

बीएसएनएल पहले से ही 'आत्मनिर्भर 4जी प्रौद्योगिकी स्टैक' का उपयोग करने की प्रक्रिया में है, जिसका उपयोग इस परियोजना में भी किया जाएगा।

यह परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के सरकार के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना से मोबाइल ब्रॉडबैंड के माध्यम से विभिन्न ई-गवर्नेंस सेवाएं, बैंकिंग सेवाएं, टेली-मेडिसिन, टेली-एजुकेशन इत्यादि सुलभ कराने को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन होगा। ■

'अमृत महोत्सव जन आंदोलन का रूप ले रहा है'

गत 31 जुलाई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनाया जा रहा 'अमृत महोत्सव' एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है और सभी क्षेत्रों एवं समाज के हर वर्ग के लोग इससे जुड़े अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 91वें संस्करण में देशवासियों से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री ने 'हर घर तिरंगा' अभियान का उल्लेख किया और लोगों से 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों में तिरंगा फहराकर इस आंदोलन का हिस्सा बनने तथा दो अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने सोशल मीडिया खातों के प्रोफाइल फोटो में तिरंगा लगाने का भी आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि इस आंदोलन का हिस्सा बनकर आप अपने घर पर तिरंगा जरूर फहराएं या उसे अपने घर पर लगायें। तिरंगा हमें जोड़ता है, हमें देश के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करता है।

श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में आजादी के आंदोलन में आहुति देने वाले योद्धाओं को नमन किया और 'अमृत महोत्सव' अभियान के तहत देश भर में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी होती है कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' एक जन आंदोलन का रूप ले रहा है। सभी क्षेत्रों और समाज के हर वर्ग के लोग इससे जुड़े अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हो रहे इन सभी आयोजनों का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम सभी देशवासी अपने कर्तव्य का पूरी निष्ठा से पालन करें, तभी हम अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों का सपना पूरा कर पायेंगे, उनके सपनों का भारत बना पाएंगे।

कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके खिलाफ देशवासियों की लड़ाई अभी जारी है और पूरी दुनिया आज भी इससे जूझ रही है। श्री मोदी ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारतीय पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों के योगदान का विस्तार से जिक्र किया और कहा कि आयुष ने वैश्विक स्तर पर इसमें अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि दुनियाभर में आयुर्वेद एवं भारतीय औषधियों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है और यही वजह है कि आयुष के निर्यात में रिकॉर्ड तेजी आई है तथा इस क्षेत्र में कई नए स्टार्ट-अप भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में औषधीय पौधों पर शोध में भी बहुत वृद्धि हुई है। इस बारे में बहुत सारे शोध पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। यह निश्चित रूप से एक अच्छी शुरुआत है।

> आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हो रहे सभी आयोजनों का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम सभी देशवासी अपने कर्तव्य का पूरी निष्ठा से पालन करें, तभी हम अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों का सपना पूरा कर पायेंगे, उनके सपनों का भारत बना पाएंगे

इस दौरान श्री मोदी ने कहा कि विदेशी खिलौनों के आयात में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है, जबकि भारतीय खिलौनों का निर्यात 300 से 400 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,600 करोड़ रुपये का हो गया है। भारतीय खिलौनों को परंपरा और प्रकृति के अनुरूप बताते हुए उन्होंने कहा कि देश के युवाओं, स्टार्ट-अप और उद्यमियों की बदौलत भारतीय खिलौना उद्योग ने जो सफलता हासिल की है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी।

उन्होंने कहा कि आज जब भारतीय खिलौनों की बात होती है तो हर तरफ 'वोकल फोर लोकल' की गूंज सुनाई दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सब कोविड-19 महामारी के काल में हुआ है और इतना ही नहीं भारत के खिलौना क्षेत्र ने खुद को बदलकर दिखा दिया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय निर्माता अब भारतीय पौराणिक, इतिहास और संस्कृति पर आधारित खिलौने बना रहे हैं और इससे खिलौने बनाने वाले छोटे-छोटे उद्यमियों को बहुत लाभ हो रहा है। खिलौनों की दुनिया में काम कर रहे सभी उद्यमियों और स्टार्ट-अप को बधाई देते हुए श्री मोदी ने भारतीय खिलौनों को दुनियाभर में और अधिक लोकप्रिय बनाने के साथ ही अभिभावकों से भी अधिक से अधिक भारतीय खिलौने खरीदना का आह्वान किया। ■

विद्युत क्षेत्र की पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना का शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने एनटीपीसी की 5,200 करोड़ रुपये की हरित परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं और शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 जुलाई को 'उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य– पावर@2047' के समापन के अवसर पर हुए ग्रैंड फिनाले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया और विद्युत मंत्रालय की पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य वितरण कंपनियों की परिचालन दक्षताओं और वित्तीय स्थायित्व में सुधार करना है।

वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 तक पांच साल की अवधि के लिए 3,03,758 करोड़ रुपये के बजट के साथ इस योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आपूर्ति की विश्वसनीयता और गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से वितरण इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण और मजबूती के लिए डिस्कॉम्स को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इसमें देश भर के उपभोक्ताओं को 25 करोड़ स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी किया गया है।

इस कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी ने एनटीपीसी की 5,200 करोड़ रुपये की विभिन्न हरित ऊर्जा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गईं और शिलान्यास किया गया। उन्होंने तेलंगाना में 100 मेगावाट की रामागुंडम फ्लोटिंग सौर परियोजना और केरल में 92 मेगावाट की कायमकुलम फ्लोटिंग सौर परियोजना का शुभारम्भ किया। श्री मोदी ने राजस्थान में 735 मेगावाट की नोख सौर परियोजना, लेह में ग्रीन हाइड्रोजन मोबिलिटी परियोजना और गुजरात में प्राकृतिक गैस के साथ कावास ग्रीन हाइड्रोजन ब्लेंडिंग परियोजना का शिलान्यास किया।

केंद्रीय विद्युत और एनआरई मंत्री श्री आर.के. सिंह ने विद्युत क्षेत्र में की गई पहलों और उपलब्धियों को रेखांकित किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 4,00,000 मेगावाट से ज्यादा हो गई है, जो हमारी मांग से 1,85,000 मेगावाट ज्यादा है। उन्होंने कहा कि 6 लाख सीकेएम एलटी लाइनों, 2,68,838 सीकेएम 11 केवी एचटी लाइनें और 1,22,123 सीकेएम एग्रीकल्चर फीडर्स के फीडर पृथक्करण के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे को बढ़ाया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2015 में ग्रामीण क्षेत्रों को औसत बिजली आपूर्ति 12.5 घंटे की थी, जो अब बढ़कर औसतन 22.5 घंटे हो गई है। उन्होंने कहा कि यह केन्द्र के साथ-साथ राज्यों की भी उपलब्धियां हैं। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

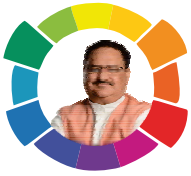

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

गुजरात में 28 जुलाई, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

चेन्नई (तमिलनाडु) में 28 जुलाई, 2022 को 44वें शतरंज ओलंपियाड के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 30 जुलाई, 2022 को पहली अखिल भारतीय जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण बैठक के उद्घाटन सत्र के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 06 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपति भवन में 'आजादी का अमृत महोत्सव' की राष्ट्रीय समिति की तीसरी बैठक में शामिल हुए

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

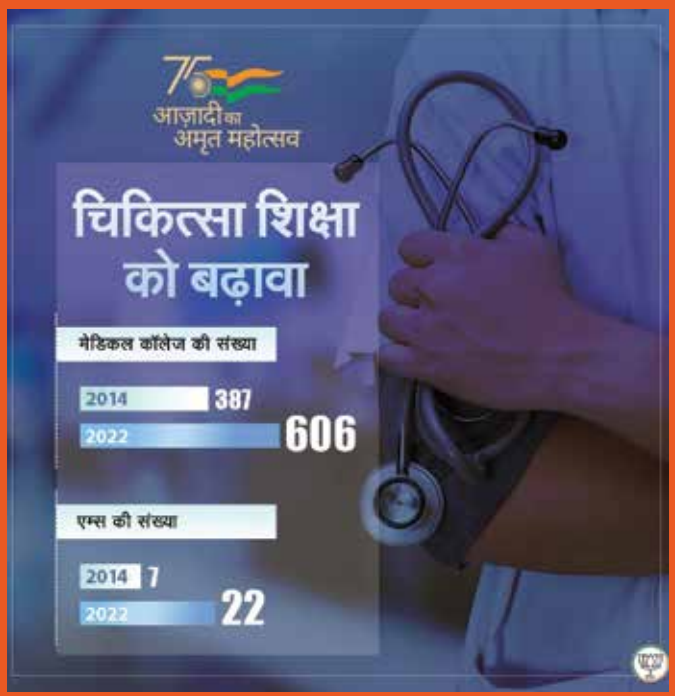

आवरण: अजय कुमार सिंह